mediaauditornews@gmail.com Epaperdainikmediaauditor.in वर्ष-02 अंक-89 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

मनेन्द्रगढ़
01 अप्रैल 2026 बुधवार

दैनिक
मीडियाऑडीटर

मनेन्द्रगढ़, रीवा एवं सतना से एक साथ प्रकाशित

सूरत की बिल्डिंग में आग, 5 की मौत

इनमें चार महिलाएं, एक बच्चा शामिल, घर में रखा था 8 टन साड़ियों का स्टॉक

सूरत, एजेंसी। गुजरात के सूरत में एक मकान में मंगलवार दोपहर को आग लगने से 5 लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में 4 महिलाएं और एक बच्चा शामिल है। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीमें मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया।

पड़ोसियों से मिली जानकारी के मुताबिक, शहर के लिंबायत इलाके का यह मकान एक व्यापारी का है, जिसमें करीब 8 टन साड़ियों का स्टॉक रखा हुआ था। इससे घर में पैदल चलने तक की जगह नहीं बची थी। इसी के चलते आग इतनी तेजी से भड़की कि किसी को बचने का मौका नहीं मिला।

मृतकों के नाम

- शाहनाज बेगम अंसारी (उम्र 65 वर्ष)
- हुसा बेगम अंसारी (उम्र 18 वर्ष)
- शबीन अंसारी (उम्र 28)
- परवीन अंसारी (उम्र 19)
- शुभान अंसारी (उम्र 4)

बेंगलुरु में इंजीनियर कपल ने सुसाइड किया

पति फ्लैट में फंदे से लटका मिला, पत्नी ने 17वीं मंजिल से कूदकर जान दी

बेंगलुरु, एजेंसी। बेंगलुरु के कोथनूर इलाके के अपार्टमेंट में एक इंजीनियर कपल की दर्दनाक मौत का मामला सामने आया है। पहले पति का शव फ्लैट के बंद कमरे में फंदे से लटके मिला। पति की मौत के कुछ ही मिनट बाद पत्नी फ्लैट से बाहर निकलीं और उसी अपार्टमेंट की 17वीं मंजिल से कूदकर जान दे दी।

मृतकों की पहचान तेलंगाना के सिद्दीपेट निवासी भानु चंदर रेड्डी कुंटा (32) और उनकी पत्नी शाजिया (31) के रूप में हुई है। शाजिया IBM में काम करती थीं। पुलिस ने दोनों मामलों में अलग-अलग अप्राकृतिक मौत के केस दर्ज किए हैं। शुरुआती जांच में स्वास्थ्य, रिश्तों में तनाव और मानसिक दबाव समेत विभिन्न पहलुओं को खंगाला जा रहा है। अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट और आगे की जांच के बाद ही मौत की असली वजह और पूरा घटनाक्रम स्पष्ट हो सकेगा।

घरों तक जंग की आंच, दूध-किराना-इलाज महंगे होंगे

रोजमर्रा के सामान के दाम बढ़ाने की तैयारी; कॉमर्शियल LPG की कमी से हजारों प्लास्टिक यूनिट बंद

नई दिल्ली/मुंबई/भोपाल, एजेंसी। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव ने कंपनियों की चिंताएं बढ़ा दी हैं। कच्चे तेल और अन्य कच्चे माल की कीमतें बढ़ने से लागत बढ़ रही है और कंपनियां दाम बढ़ाने पर विचार कर रही हैं। इससे बोतलबंद पानी, नमक, तेल जैसी रोजमर्रा की चीजें, एसी, फ्रिज जैसे कंज्यूमर ड्यूरेबल से लेकर नॉन-सर्जिकल मेडिकल आइटम के दाम बढ़ सकते हैं।

वजह यह है कि इस जंग ने प्लास्टिक उद्योग की रीढ़ तोड़ दी है। बीते 30 दिनों में कच्चे माल के दाम 50-70% तक बढ़ चुके हैं। सबसे ज्यादा उपयोग में आने वाले प्लास्टिक दाने एलडीपीई के दाम 110 रु/ किलो से 180 रुपए तक पहुंच गए हैं।

अन्य पॉलीमर और रॉ मटेरियल भी 30 हजार से 70 हजार रुपए प्रति टन तक वृद्धि हुई है। ऐसे में अप्रैल में प्लास्टिक की कीमतें 50-60% तक बढ़ सकती हैं। प्लास्टिक टंकी व कंटेनर के दाम 30-40% तक बढ़ने की आशंका है।ऑल इंडिया प्लास्टिक मैन्युफैक्चरिंग एसोसिएशन के प्रेसिडेंट सुनील शाह कहते हैं कि प्लास्टिक इंडस्ट्री से 5 लाख लोग जुड़े हैं।

असम में भाजपा का वादा

लव जिहाद पर एक्शन लेंगे,बांग्लादेशी मुस्लिमों की कब्जाई जमीन वापस लेंगे, यूसीसी भी लागू करेंगे

नई दिल्ली/ तिरुवनंतपुरम/ गुवाहाटी/ कोलकाता/ चेन्नई, एजेंसी। भाजपा ने मंगलवार सुबह असम के लिए मेनिफेस्टो (संकल्प पत्र) जारी किया। इसमें लव जिहाद पर एक्शन, घुसपैठियों से कब्जाई जमीन वापस लेने, राज्य में UCC लागू करने, युवाओं को 5 साल में 2 लाख नौकरियां देने का वादा किया है। पत्र में कुल 31 वादे किए गए हैं।

इसके अलावा महिलाओं के लिए अरुनोदोई योजना के तहत हर महीने मिलने वाली राशि 1250 से बढ़ाकर 3 हजार करने का वादा किया है। लखपति दीदी योजना के तहत 40 लाख महिलाओं को 25,000 तक की सहायता देने की भी योजना का ऐलान किया है।

संकल्प पत्र जारी करने के दौरान केंद्रीय मंत्री निर्मला सीतारमण, सीएम हिमंता बिस्वा सरमा, सर्बानंद सोनोवाल, असम भाजपा अध्यक्ष दिलीप सैकिया समेत अन्य नेता मौजूद रहे। इधर, तमिलनाडु के सीएम एम के स्टालिन जब तंजावुर पहुंचे। यहां पुलिस ने उनके वाहन की जांच की। स्टालिन खुद वाहन में मौजूद थे।

आईटी रूल बदलेंगे- निर्देश नहीं माने तो सेफ हार्बर खत्म

अब हर कंटेंट के लिए सोशल मीडिया कंपनियां ही जिम्मेदार; डेटा डिलीट नहीं कर सकेंगे

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार ने आईटी नियमन-2021 में बदलाव का नया मसौदा जारी कर दिया है। इससे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स सरकारी निर्देशों की अनदेखी नहीं कर सकेंगे। उन्हें निर्देश, गाइडलाइन, एडवाइजरी माननी ही होगी। यदि वो ऐसा नहीं करते हैं तो संबंधित डिजिटल मीडिया कंपनियां सीधे तौर पर जिम्मेदार ठहराई जाएंगी।

इससे इन कंपनियों को सेफ हार्बर के तहत मिलने वाली कानूनी ढाल खत्म कर दी जाएगी। आईटी नियमों में सबसे अहम बदलाव यह है कि प्लेटफॉर्म अपने यूजर्स द्वारा पोस्ट किए गए हर कंटेंट के लिए खुद जिम्मेदार होंगे। फिलहाल 14 अप्रैल तक सरकार ने इस मसौदे पर सार्वजनिक सुझाव, आपत्तियां मांगी हैं।

डिलीट नहीं कर सकेंगे डेटा

नए नियमों के मुताबिक, यदि किसी अन्य कानून के तहत डेटा सुरक्षित रखना जरूरी है तो प्लेटफॉर्म उसे डिलीट नहीं कर सकेंगे। वित्त, टैक्स या जांच से जुड़े मामलों को सुरक्षित रखना होगा।

अभी डिजिटल मीडिया एथिक्स कोड सिर्फ न्यूज पब्लिशर्स पर लागू होता था, लेकिन सोशल मीडिया पर न्यूज या करंट अफेयर्स पोस्ट करने वाले यूजर भी इसके दायरे में होंगे। सरकार किसी भी कंटेंट से जुड़े मामले को सीधे समीक्षा कमेटी के पास भेज सकती है। इसके लिए किसी की शिकायत का इंतजार करना जरूरी नहीं होगा।

लखनऊ में एअर इंडिया एक्सप्रेस फ्लाइट की इमरजेंसी लैंडिंग

36 हजार फीट ऊंचाई पर पायलट को धुआं महसूस हुआ; पैसेंजरों ने मास्क लगाए

लखनऊ, एजेंसी। लखनऊ में एअर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट की इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। सोमवार शाम फ्लाइट पश्चिम बंगाल के बागडोगरा से दिल्ली जा रही थी। सूत्रों के मुताबिक, फ्लाइट यूपी के अंबेडकरनगर के ऊपर थी, तभी पायलट के केबिन में धुआं महसूस हुआ। उस समय विमान 36 हजार फीट की ऊंचाई पर था। पायलट ने धुआं महसूस होते ही लखनऊ एयर ट्रैफिक कंट्रोल को मेडे कॉल किया। मेडे कॉल के बाद यात्रियों को ऑक्सीजन मास्क उपलब्ध करा दिए गए। लखनऊ में इमरजेंसी लैंडिंग की अनुमति लेकर विमान को शाम 5:17 बजे सुरक्षित लैंड कराया। तब से फ्लाइट लखनऊ के टर्मिनल-3 पर खड़ी है।

अपग्रेड हो रहा शी-बॉक्स पोर्टल, 17000 थाने कनेक्ट होंगे

कोई ताने मारे, छेड़खानी करे तो पोर्टल में शिकायत दें, नजदीकी थाने से तुरंत मदद पहुंचेगी

नई दिल्ली, एजेंसी। महिलाओं को उत्पीड़न के माहौल से बचाने के लिए केंद्र सरकार तकनीकी निगरानी तंत्र को देश के सभी 17 हजार पुलिस थानों से जोड़ने जा रही है। इसके लिए शी-बॉक्स पोर्टल को अपग्रेड किया जा रहा है। अभी पोर्टल के जरिए सरकारी और निजी क्षेत्र के दफ्तर जुड़े हैं, जहां काम करने वाली महिलाएं किसी भी तरह के लैंगिक उत्पीड़न की शिकायत बिना अपनी पहचान बताए पोर्टल पर दर्ज कर सकती हैं।

पोर्टल महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के तहत काम करता है। मंत्रालय के एक अधिकारी ने बताया कि पोर्टल पर अब घर से ऑफिस तक आने-जाने वाले रास्ते पर होने वाले शोषण, उत्पीड़न और ताने मारने की भी शिकायत दर्ज हो सकेगी।इसमें बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, बस, ट्रेन, मार्केट आदि भी शामिल रहेंगे। इसके लिए पोर्टल को तकनीकी रूप से अपग्रेड किया जा रहा है। अगले एक-दो महीनों में अपग्रेडेशन पूरा हो जाएगा और महिलाओं को सुविधा मिलने लगेगी।

एप भी तैयार हो रहा, ताकि शिकायत में आसानी हो: कार्यस्थलों पर लैंगिक उत्पीड़न रोकने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर 2024 में शी-बॉक्स पोर्टल शुरू हुआ था। इसका मकसद ऐसी शिकायतों का रजिस्ट्रेशन और निगरानी करना है। शिकायत के समाधान के लिए क्या उपाय किए गए, इसका विवरण भी पोर्टल पर संबंधित जांच अधिकारी को दर्ज करना पड़ता है। शी-बॉक्स पोर्टल का एप वर्जन भी तैयार हो रहा है, ताकि, महिलाओं को शिकायत दर्ज करने में और आसानी रहे।

अभी ऐसे काम करता है शी-बॉक्स

अभी शी-बॉक्स पोर्टल पर शिकायत दर्ज करने के बाद इसकी जांच संबंधित कंपनी की समिति को क्क्स। एक्ट 2013 के नियमों के तहत करनी होती है। इसमें पीड़िता और आरोपी दोनों पक्षों की सुनवाई होती है। कानूनन इस पूरी जांच प्रक्रिया को 90 दिनों के भीतर पूरा करना अनिवार्य है, जिसके बाद अगले 60 दिनों में उचित कार्रवाई किया जाना निर्धारित है।

सीएजी रिपोर्ट: कई जवानों को समय पर वेतन-भत्ते नहीं मिले

मिलिट्री अस्पतालों में कमियां मिली, सेना से जुड़े काम के रिकॉर्ड डिजिटल करने की सिफारिश

नई दिल्ली, एजेंसी। सीएजी की रिपोर्ट सोमवार को संसद में पेश की गई। रिपोर्ट में कई मिलिट्री अस्पतालों के रखरखाव में कमी की ओर भी इशारा किया गया है। यह भी बताया गया है कि काफी संख्या में सेना के जवानों को उनके वेतन-भत्ते समय पर और सही तरीके से नहीं मिले। रिपोर्ट के मुताबिक सेना के निर्माण कार्यों से जुड़े साइट रिकॉर्ड्स ठीक से नहीं रखे गए। इससे काम की क्वालिटी और ठेकेदार की जिम्मेदारी तय करना मुश्किल हुआ। ऑडिट ने सिफारिश की है कि रक्षा मंत्रालय साइट रिकॉर्ड्स को डिजिटाइज करे। साइट रिकॉर्ड्स वे कागज होते हैं, जिनमें काम की प्रगति, इस्तेमाल मटेरियल और टेस्ट रिपोर्ट से जुड़ी जानकारी रिकॉर्ड होती है। वहीं, कम्प्ट्रोलर एंड ऑडिटर जनरल ऑफ इंडिया (CAG) एक संस्था है, जो सरकारी खर्च और कामकाज का ऑडिट करती है।

पीएम मोदी ने साणंद में सेमीकंडक्टर प्लांट का उद्घाटन किया

कहा- कोरोना काल में संकल्प लिया था कि भारत इस सेक्टर का ग्लोबल हब बनेगा

● गांधीनगर में सम्राट सम्प्रति म्यूजियम का उद्घाटन किया

अहमदाबाद, एजेंसी। पीएम मोदी ने गुजरात के साणंद में केयन्स सेमीकॉन के आउटसोर्स्ड सेमीकंडक्टर असेंबली टेस्ट (ओएसएटी) का उद्घाटन किया। इसके बाद वे प्लांट देखने पहुंचे और इंजीनियर्स से बातचीत की।

पीएम ने कहा- आज सुबह डिवाइन वाले कार्यक्रम में था और अब डिजिटल के कार्यक्रम में हूं। उन्होंने कहा- हमने कोरोना के समय ही तय कर लिया था कि भारत सेमी कंडक्टर सेक्टर का नया हब बनेगा।

पीएम के उद्घाटन के साथ ही केयन्स सेमीकंडक्टर प्लांट में प्रोफेशनल प्रोडक्शन शुरू हो जाएगा। पहला प्लांट भी फरवरी 2026 में साणंद में ही शुरू हुआ था। इसके बाद पीएम वाव-थराड में 20 हजार करोड़ रुपए के प्रोजेक्ट्स का शिलान्यास और उद्घाटन करेंगे।

इससे पहले उन्होंने सुबह करीब 10 बजे गांधीनगर में सम्राट सम्प्रति म्यूजियम का उद्घाटन किया। पीएम ने म्यूजियम का दौरा करने के बाद राष्ट्रीय संत पूज्य आचार्य पद्मसागर सूरीश्वरजी का आशीर्वाद लिया।

बिहार- नालंदा के मंदिर में भगदड़, 9 की मौत,कई घायल

सीएम ने मृतकों के परिजनों के लिए छह लाख रुपये मुआवजे की घोषणा की

नालंदा, एजेंसी। बिहार में नालंदा जिले में मंगलवार सुबह शीतला माता मंदिर में भगदड़ मच गई। हादसे में 9 लोगों की मौत हो गई। 8 महिलाओं की भीड़ में दबने से मौके पर ही मौत हो गई थी, जबकि एक पुरुष ने अस्पताल में दम तोड़ा।

चैत्र महीने के आखिरी मंगलवार को शीतला अष्टमी के मौके पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु इस मंदिर में पहुंचे थे। वहां मेला भी लगा था। मौके पर मौजूद लोगों ने बताया कि भीड़ को संभालने के लिए पर्याप्त इंतजाम नहीं थे। दर्शन करने की जल्दी में धक्का-मुक्की मच गई। अफरातफरी के बीच कई लोग भीड़ में दब गए। बड़ी संख्या में लोग घायल भी हुए हैं। हादसे के बाद मंदिर और मेला को बंद करवा दिया है। आज नालंदा यूनिवर्सिटी के दीक्षांत समारोह में राष्ट्रपति शामिल हुईं। उनकी सुरक्षा में 8 जिलों के 2500 जवानों को लगाया गया था, जबकि मंदिर में जुटी 10 हजार की भीड़ के लिए एक भी पुलिस वाले की तैनाती नहीं थी। हादसे के बाद पटना कमिश्नर को बिहार शरीफ भेजा गया है। सीएम ने मुख्य सचिव को जांच के निर्देश दिए हैं। दीपनगर थाने के SHO राजमणि को सस्पेंड कर दिया गया है। सरकार ने मृतकों के आश्रितों को 6 लाख रुपए मुआवजा देने की घोषणा की है। वही केंद्र सरकार ने 2 लाख के मुआवजे की घोषणा की है।

चौकीदार के हवाले थी सुरक्षा : नालंदा के मधड़ा स्थित शीतला मंदिर में हुई दर्दनाक भगदड़ घटना के बाद प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए बड़ी कार्रवाई की है। सुरक्षा व्यवस्था में गंभीर लापरवाही उजागर होने के बाद दीपनगर थाना के थानाध्यक्ष राजमणि को एसपी भारत सोनी ने तत्काल प्रभाव से सस्पेंड कर दिया है। शुरुआती जांच में यह भी सामने आया है कि मंदिर की सुरक्षा व्यवस्था चौकीदार के भरोसे छोड़ दी गई थी, जिसके कारण भीड़ अनियंत्रित हो गई और समय पर वरीय अधिकारियों को इसकी सूचना नहीं दी गई।

पीएम मोदी ने जताया दुख, मृतकों के आश्रितों को 2 लाख तो घायलों को 50 हजार रुपये मुआवजे का ऐलान

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को बिहार के नालंदा के शीतला माता मंदिर हादसे पर दुख जताया है। उन्होंने इसमें जान गंवाने वाले पीड़ितों के प्रति संवेदना व्यक्त की। इसके साथ ही केंद्र सरकार ने इस भगदड़ में जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों को 2 लाख रुपए और घायलों को 50 हजार रुपए की आर्थिक सहायता की घोषणा भी की। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने पीएम मोदी के हवाले से लिखा, 'बिहार के नालंदा जिले में हुई दुर्घटना अत्यंत दुखद है। मैं उन लोगों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करता हूं जिन्होंने इस हादसे में अपने प्रियजनों को खो दिया। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं। प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष की ओर से प्रत्येक मृतक के परिजनों को 2 लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी और घायलों को 50,000 रुपए दिए जाएंगे।'

पीक डिमांड में भी नहीं रुकेगी पानी की सप्लाई, टैंकरों की जीपीएस ट्रैकिंग; क्या है दिल्ली सरकार का समर एक्शन प्लान

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी में गर्मी के चरम दौर से पहले जल संकट को रोकने के लिए दिल्ली सरकार ने समर एक्शन प्लान 2026-27 ला रही है। सोमवार को झंडेवालान स्थित दिल्ली जल बोर्ड मुख्यालय में पेश इस योजना का उद्देश्य पानी की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करना, वितरण तंत्र की खामियों को दूर करना और यमुना की सफाई को गति देना है।

जल मंत्री प्रवेश वर्मा ने कहा कि इस बार सरकार का फोकस सिर्फ पानी उपलब्ध कराने पर नहीं, बल्कि सिस्टम में पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ाने पर भी है। उन्होंने कहा, 'स्वच्छ पानी की आपूर्ति और यमुना की सुरक्षा केवल प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि सभी की साझा जिम्मेदारी है।' गर्मी के दौरान पानी की मांग को देखते हुए रोजाना करीब 1002 मिलियन गैलन (स्वष्ठ) पानी की आपूर्ति बनाए रखने का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिए चंद्रावल, वजीराबाद, हैदरपुर, नांगलोई, ओखला, द्वारका, बवाना और सोनिया विहार जैसे प्रमुख वाटर ट्रीटमेंट प्लांट्स को पूरी क्षमता से तैयार किया जा रहा है। साथ ही, कच्चे पानी की गुणवत्ता, खासकर अमोनिया स्तर पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है, जिससे सप्लाई प्रभावित न हो। भूमिगत जलाशयों की सफाई बूस्टर पंपिंग स्टेशनों का मेंटेनेंस लीकेज डिटेक्शन अभियान को तेज किया गया है, ताकि वितरण के दौरान पानी की बर्बादी कम हो। अनधिकृत कॉलोनियों तक पाइपलाइन दिल्ली की 1,799 अनधिकृत कॉलोनियों में से 1,646 में पाइपलाइन बिछाई जा चुकी है। बाकी क्षेत्रों में चरणबद्ध तरीके से काम पूरा किया जाएगा। सरकार का फोकस अब 'लास्ट-माइल कनेक्टिविटी' पर है, ताकि टैंकर पर निर्भर इलाकों को स्थायी समाधान मिल सके।

एनडीएमसी में यूनिट एरिया मैथड से संपत्ति कर में कमी, दिल्ली 'एक शहर एक टैक्स' की ओर

नई दिल्ली,एजेंसी। डिजिटल डेस्क, जनविश्वास बिल के तहत नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) इलाके में संपत्तिकर प्रणाली रेटेबेल वेल्यू की बजाय यूनिट एरिया मैथर्ड (यूएएम) प्रणाली लागू करने कानून संशोधन के प्रस्ताव पर व्यापारियों ने केंद्र सरकार का आभार जताया है। इसको लेकर नई दिल्ली ट्रेडर्स एसोसिएशन ने अपने कार्यालय में व्यापारियों ने एनडीएमसी उपाध्यक्ष कुलजीत चहल की उपस्थिति में पीएम मोदी का आभार प्रकट किया। एनडीएमसी के उपाध्यक्ष कुलजीत चहल ने कहा कि यूएएम एनडीएमसी क्षेत्र में लागू होने से अब दिल्ली एक शहर एक टैक्स की ओर आगे बढ़ रही है। क्योंकि एमसीडी इलाके में पहले ही यूएएम प्रणाली से टैक्स लिया जा रहा है। चहल ने कहा कि यूएएम के लागू होने से व्यापारियों का विश्वास और बढेगा। उन्होंने बताया कि पिछले वर्ष एनडीएमसी को संपत्तिकर से 1045 करोड़ रुपये की आय हुई थी जो कि इस वर्ष 1350 करोड़ होने का अनुमान है। उन्होंने कहा कि यूनिट एरिया मेथर्ड लागू करने से पूर्व व्यापारियों के प्रतिनिधियों के साथ एक विस्तृत बैठक आयोजित की जाएगी तथा उनके सुझाव भी लिए जाएंगे, ताकि इस प्रणाली को और अधिक पारदर्शी एवं प्रभावी बनाया जा सके। फिलहाल इससे संपत्तिकर में 30 से 50 प्रतिशत की कमी आएगी। कर के आकलन को पारदर्शी, वस्तुनिष्ठ और समान बनाएगीः चहल उन्होंने कहा की यह प्रणाली संपत्ति कर के आकलन को पारदर्शी, वस्तुनिष्ठ और समान बनाती है। अब कर निर्धारण संभावित किराये की आय पर आधारित नहीं होगा, जो एक ही कॉलोनी में अलग-अलग निवासियों या प्रतिष्ठानों के लिए भिन्न हो सकता है, बल्कि एक समान यूनिट एरिया के आधार पर होगा, जो उसी कॉलोनी के सभी निवासियों के लिए समान रहेगा। उन्होंने व्यापारियों एवं मार्केट ट्रेडर्स एसोसिएशनों से केंद्र सरकार द्वारा एलपीजी के संबंध में जारी अधिसूचनाओं का पालन करने की अपील की। उन्होंने बताया कि कनाट प्लेस में पीएनजी की लाइन ालने के लिए सड़क बहाली शुल्क माफ कर दिया है।

कहीं धूप तो कहीं बारिश, कैसा रहेगा उत्तर भारत में मौसम का हाल

नई दिल्ली, एजेंसी। देश के अलग-अलग हिस्सों में मंगलवार यानी आज मौसम का मिजाज बदला हुआ नजर आएगा। एक तरफ उत्तर भारत में पश्चिमी विक्षोप के कारण बारिश और हवाएं देखने को मिलेगी वहीं मध्य और दक्षिण भारत में गर्मी का असर रहेगा। सोमवार देर शाम हुई हल्की बूंदाबांदी से दिल्ली-एनसीआर का मौसम खुशनुमा हो गया है। दोपहर में तापमान में तेजी देखने को मिलेगी वहीं शाम होते-होते एक बार फिर गर्मी से राहत मिलेगी। मौसम विभाग ने मंगलवार के लिए शहर के लिए अलर्ट जारी नहीं किया है, लेकिन छिटपुट वर्षा की संभावना जताई है। अप्रैल माह की शुरुआत भी राहत भरी ही रहेगी। मौसम विभाग के अनुसार एक और सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ दो अप्रैल से उत्तर-पश्चिम भारत पर असर डालना शुरू कर देगा, जिससे तीन और चार अप्रैल को शहर में वर्षा से हल्की वर्षा की संभावना है। यूपी और बिहार की बात करें तो यहां मौसम मिला-जुला रहेगा। दिन में हल्की गर्मी लेकिन कुछ इलाकों में तेज हवाएं और बारिश की संभावनाएं हैं। तापमान 35 से 40 डिग्री के आसपास रह सकता है, खासकर पूर्वी यूपी और बिहार में गर्मी का असर देखने को मिलेगा।

सीबीआई ने एमसीडी के डिप्टी कमिश्नर को किया गिरफ्तार, चार लाख रुपये की रिश्वत मांगने का आरोप

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के एक वरिष्ठ अधिकारी को कथित तौर पर चार लाख रुपये की रिश्वत मांगने के आरोप में गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अधिकारी की पहचान अभिषेक कुमार मिश्रा के रूप में हुई है, जो शाहदरा नॉर्थ जोन में डिप्टी कमिश्नर के पद पर तैनात थे।जानकारी के अनुसार, सीबीआई को मिश्रा द्वारा रिश्वत मांगने की सूचना मिली थी, जिसके आधार पर यह कार्रवाई की गई। अभिषेक कुमार मिश्रा ने किसी काम को करने के बदले चार लाख रुपये की मांग की थी। सीबा आई को इस बात की जानकारी मिली, जिसके बाद जाल बिछाया गया और अधिकारी को गिरफ्तार कर लिया गया।

लश्कर के बांग्लादेश मोड्यूल का हैंडलर युवाओं की भर्ती करने की रच रहा था साजिश, पाकिस्तान से मिले थे निर्देश

नई दिल्ली, एजेंसी। लश्कर-ए-तैयबा के बांग्लादेश मोड्यूल के हैंडलर शबीर अहमद लोन उर्फ राजा कश्मीरी को स्पेशल सेल ने रविवार को गाजीपुर इलाके से गिरफ्तार किया। इस मोड्यूल के एक भारतीय समेत आठ बांग्लादेशी आतंकियों को सेल ने बीते फरवरी में गिरफ्तार किया था। उन्हीं से पूछताछ के बाद शबीर को गिरफ्तार किया गया। वह पाकिस्तान में बैठे लश्कर के हैंडलर अबू हुजैफा और सुमामा बाबर के सीधे संपर्क में था। वे दोनों लंबे समय से शबीर को दिशा निर्देश दे रहे थे। शबीर पिछले कुछ समय से बांग्लादेश से अपनी गतिविधियां चला रहा था। पाकिस्तान में बैठे हैंडलर के निर्देश पर वह अब लश्कर में भारतीय युवाओं की भर्ती करने की साजिश रच रहा था। इसी सिलसिले में वह दिल्ली आया था, लेकिन समय रहते उसे गिरफ्तार कर लेने से युवाओं को भर्ती किए जाने का मामला टल गया। एडिशनल पुलिस कमिश्नर स्पेशल सेल, प्रमोद सिंह कुशवाहा के मुताबिक शबीर अहमद लोन, तहसील कंगन, गांदरबल, जम्मू-कश्मीर का रहने वाला है। सुप्रीम कोर्ट मेट्रो आदि कई जगहों पर देश विरोधी पोस्टर लगाने की जांच दौरान सेल को लश्कर के इस मोड्यूल के बारे में पता लगा था। जिसके बाद सेल ने आठ आतंकियों को गिरफ्तार

किया था। उनसे पूछताछ में सेल को शब्बीर अहमद लोन के बारे में पता चला था। यह भी जानकारी मिली कि शबीर को भारत में लश्कर के लिए अधिक से अधिक युवाओं को कट्टरपंथी बनाने और भर्ती करने का जिम्मा सौंपा गया है। इस काम को अंजाम देने के लिए शबीर नेपाल सीमा के रास्ते भारत में दाखिल हुआ और गुपचुप तरीके से युवाओं को कट्टरपंथी बनाने व संगठन में भर्ती करने की कोशिशें कर रहा था।

● शबीर को 2007 में भी किया गया था गिरफ्तार : इससे पहले शबीर को स्पेशल सेल ने 27 जुलाई 2007 को एके-47 और ग्रेनेड सहित भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद के साथ गिरफ्तार किया था। इस मामले में उसे दोषी ठहराया गया था लेकिन जमानत पर बाहर आने के बाद वह फरार हो गया था। सेल को सूचना मिली कि शबीर रविवार रात साढे दस बजे गाजीपुर के पास किसी से मिलने आने वाला है। विशेष आयुक्त स्पेशल सेल अनिल शुक्ला व डीसीपी प्रवीण कुमार त्रिपाठी के नेतृत्व में सेल की टीम ने उसे दबोच लिया। शब्बीर तहरीक-उल-मुजाहिदीन के कमांडर अबू तलहा और यूएपीए के तहत नामित आतंकवादी आसिफ डार के भी संपर्क में था। उसके पास से 2300 बांग्लादेशी टका, 5000 पाकिस्तानी रुपया, 3000 रुपये (भारतीय मुद्रा), 1400 नेपाली रुपया, एक नेपाली सिम, एक कीपैड वाला फोन, एक बटुआ जिसमें आधार कार्ड की कापी थी, एक बैग जिसमें दो जोड़े कपड़े थे।

● अबू हुजैफा ने उसे लश्कर-ए-तैयबा के कैडर में भर्ती किया : पुलिस अधिकारी का कहना है क 2004-2005 में शबीर के इलाके में लश्कर आतंकी अबू हुजैफा, अबू बकर और फैसल अक्सर खाने और दूसरी लॉजिस्टिक मदद के लिए आते थे। उसी दौरान अबू हुजैफा ने उसे लश्कर-ए-तैयबा के कैडर में भर्ती कर लिया था। 2016 में, उसे सज्जाद गुल के साथ जम्मू-कश्मीर के परिमपोरा थाने में आर्म्स एक्ट के एक मामले में गिरफ्तार किया गया था, जहां उसके पास से एके-47 की पांच गोलियां बरामद हुई थीं। उसका सहयोगी सज्जाद गुल, इस मामले से रिहा होने के बाद पाकिस्तान चला गया वहां वह द रेजिस्टेंस फ्रंट नाम से संगठन चला रहा है, जो लश्कर-ए-तैयबा का ही एक हिस्सा है। सुमामा बाबर भारत में, खासकर कश्मीर घाटी में, अलग-अलग इंटरनेट मीडिया एप्स के ज़रिए युवाओं को कट्टरपंथी बनाने, उन्हें प्रेरित करने और आतंकवादी संगठनों में भर्ती करने का काम करता है।

● भारत में हमले करने के लिए युवाओं की कर रहा था भती : 2025 में, सुमामा बाबर ने शबीर से कहा कि वह बांग्लादेशियों और जम्मू-कश्मीर के अलावा भारत के दूसरे राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों के युवाओं को भर्ती करे, ताकि भारत में आतंकवादी हमले किए जा सकें। जिसके बाद शबीर गुरुग्राम चला गया था, जहां उसने उमर फारूक़ को संगठन में भर्ती किया। उमर फारूक, सुप्रीम कोर्ट मेट्रो वाले मामले में आरोपित है। इसी माह शबीर अपनी पत्नी और परिवार के साथ भारत-बांग्लादेश सीमा पार करके बांग्लादेश के सैदपुर में जाकर बस गया था। पहले से शादीशुदा होने के बावजूद, उसने वहां के स्थानीय लोगों के साथ घुलने-मिलने के लिए एक स्थानीय बांग्लादेशी महिला से दोबारा शादी कर ली।

देश-विरोधी पोस्टर शबीर अहमद लोन को सुमामा बाबर ने भेजे

दिल्ली और कोलकाता में लगाए गए देश-विरोधी पोस्टर शबीर अहमद लोन को सुमामा बाबर ने भेजे थे। इन पोस्टरों को लगाने का मकसद नए भर्ती हुए लोगों की आतंकी गतिविधियों को अंजाम देने की ऑपरेशनल क्षमता को परखना था। ये पोस्टर मालदा के रहने वाले उमर फारूक और नए भर्ती हुए रोबी उल इस्लाम ने लगाए थे। रोबी, बांग्लादेशी नागरिक है। इन दोनों ने भारत के उन इलाकों की रेकी की थी जहां लोगों की भारी भीड़ रहती है, खासकर उन जगहों की जो व्यापारिक और धार्मिक नजरिए से अहम हैं। आतंकी गतिविधियों को गुपचुप तरीके से और असरदार ढंग से अंजाम देने के लिए, इस मोड्यूल के लिए कोलकाता के हाथी यारा गोथे इलाके में एक लोकल बेस बनाया गया था। तमिलनाडु के तिरुपुर ज़िले में गैर-कानूनी तरीके से रह रहे छह बांग्लादेशी नागरिकों को भी इस मोड्यूल में भर्ती किया गया था, और वे खुद को कोलकाता के हाथी यारा गोथे स्थित सेटअप में शिफ्ट करने की प्रक्रिया में थे।

विश्वविद्यालय मेट्रो स्टेशन के ट्रैक पर गिरा यात्री, डेढ़ घंटे तक बाधित रही येलो लाइन की सेवाएं

नई दिल्ली, एजेंसी। सोमवार सुबह विश्वविद्यालय मेट्रो स्टेशन पर एक व्यक्ति के ट्रैक पर गिरने के कारण लगभग डेढ़ घंटे तक येलो लाइन पर मेट्रो सेवा बाधित रही। कुछ देर तक इस लाइन पर मेट्रो सेवा रोकने और बाद में धीमी गति से चलने के कारण यात्रियों को परेशानी हुई। आफिस का टाइम होने के कारण इस लाइन के मेट्रो स्टेशनों पर यात्रियों की भीड़ बढ़ गई। दिल्ली मेट्रो रेल निगम (डीएमआरसी) ने पूर्वाह्न लगभग 11 बजे 'एक्स' पर यह जानकारी दी कि विश्वविद्यालया स्टेशन पर यात्री के ट्रैक पर आने के कारण येलो लाइन पर ट्रेन सेवा में देरी हो रही है। सुरक्षा कारणों से मेट्रो ट्रेनों का संचालन नियंत्रित कर दिया गया, जिससे ट्रेनें देरी से चलीं और कई स्टेशनों पर अधिक भीड़ बढ़ गई। इसे लेकर कई यात्रियों ने इंटरनेट मीडिया पर अपनी नाराजगी व्यक्त की। उनका कहना था कि कितनी देर में मेट्रो सेवा सामान्य होगी इसकी जानकारी नहीं दी जा रही है। कई यात्रियों को यह कहना था कि किसी न किसी कारण से अक्सर मेट्रो की सेवा बाधित हो जाती है।

संतुलन बिगड़ने से ट्रैक पर गिरे अनिल : दिल्ली मेट्रो पुलिस के अनुसार एक यात्री ट्रैक पर गिरने से घायल हो गया। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक मेट्रोकर्मी घायल यात्री को बाड़ा हिंदू राव अस्पताल पहुंचा दिया था। पुलिस के अनुसार घायल की पहचान 51 वर्षीय करावल नगर निवासी अनिल कुमार के रूप में हुई है। उन्होंने पुलिस को बताया कि प्लेटफार्म के किनारे खड़े होने के दौरान संतुलन बिगड़ने से वह ट्रैक पर गिर गए थे। उनके सिर में चोट आई है।

दहेज मौत मामले में पति बरी, गैरहाजिरी पर द्वारका कोर्ट ने ठहराया दोषी; कोई सजा नहीं

पश्चिमी दिल्ली, एजेंसी। द्वारका कोर्ट ने 2015 में पत्नी की आत्महत्या से जुड़े दहेज मौत और क्रूरता के मामले में आरोपित पति को बरी कर दिया है। अदालत ने कहा कि अभियोजन पक्ष आरोपों को संदेह से परे साबित करने में विफल रहा। हालांकि, अदालत ने आरोपित को अदालत में पेश न होने के कारण भारतीय दंड संहिता की धारा 174ए (घोषित अपराधी) के तहत दोषी ठहराया है। पर इसे लेकर अदातल ने किसी सजा या कार्रवाई का आदेश नहीं दिया है।

अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश स्वाति गुप्ता ने जाकिर हुसैन के खिलाफ धारा 498ए (पति द्वारा क्रूरता) और 304बी (दहेज मौत) के आरोपों पर सुनवाई करते हुए कहा कि मामले में ऐसा कोई ठोस साक्ष्य नहीं है, जिससे यह संकेत मिले कि आरोपित ने मृतका को आत्महत्या के लिए उकसाया या कोई सक्रिय भूमिका निभाई।

अभियोजन के अनुसार, जाकिर की पत्नी नूर सबा ने जुलाई 2015 में उत्तम नगर स्थित घर में फांसी लगाने की कोशिश की थी और बाद में अस्पताल में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। दोनों की शादी 9 अगस्त 2014 को हुई थी। मृतका के पिता ने शुरुआती शिकायत में आरोप लगाया था कि आरोपित ने दुकान खोलने के लिए 10 लाख रुपये की मांग की और दहेज को लेकर उनकी बेटी को प्रताड़ित किया।

हालांकि, सुनवाई के दौरान उन्होंने अपने ही बयान से मुकरते हुए कहा कि आरोपित ने कभी दहेज या पैसे की मांग नहीं की और उनकी बेटी ने भी किसी तरह की प्रताड़ना की शिकायत नहीं की थी। मामले में अन्य गवाह, जिनमें मृतका की भाभी और चचेरे भाई शामिल हैं, ने भी दहेज उत्पीड़न के आरोपों का समर्थन नहीं किया। अदालत ने कहा कि मुख्य गवाहों के मुकर जाने से अभियोजन का मामला कमजोर हो गया और दहेज मांग या मृत्यु से ठीक पहले प्रताड़ना का कोई ठोस प्रमाण सामने नहीं आया।

मृतका के आरोपों को साबित नहीं किया जा सका

अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि धारा 304बी के तहत दोष सिद्ध करने के लिए यह साबित होना आवश्यक है कि मृतका को उसकी मौत से ठीक पहले दहेज की मांग को लेकर प्रताड़ित किया गया था, जो इस मामले में साबित नहीं हो सका। साथ ही, अदालत ने आत्महत्या के लिए उकसाने (धारा 306) के पहलू पर भी विचार किया, लेकिन रिकार्ड में ऐसा कोई साक्ष्य नहीं पाया गया जिससे आरोपित की संलिप्तता साबित हो सके।

इस्राइलियों की हत्या के दोषी फलस्तीनियों को मिलेगी मौत की सजा, इस्राइल की संसद में पास हुआ नया कानून

तेल अवीव, एजेंसी। इस्राइल में एक बड़ा और विवादित फैसला सामने आया है। देश की संसद नेसेट ने सोमवार को एक ऐसा कानून पास किया है, जिसमें इस्राइलियों की हत्या के दोषी पाए जाने वाले फलस्तीनियों के लिए मौत की सजा का प्रावधान रखा गया है। इस कानून के तहत, अगर वेस्ट बैंक के किसी फलस्तीनी को राष्ट्रवादी वजह से हत्या का दोषी पाया जाता है, तो उसे फांसी दी जा सकती है। यानी ऐसे मामलों में मौत की सजा अब मुख्य सजा होगी। बता दें कि इस बिल को पास कराने में इस्राइल के दक्षिणपंथी नेताओं की बड़ी भूमिका रही। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू खुद संसद में मौजूद रहे और उन्होंने इस कानून के समर्थन में वोट दिया। हालांकि, यह कानून सिर्फ आगे होने वाले मामलों पर लागू होगा, पुराने मामलों पर नहीं। साथ ही अदालतों के पास यह अधिकार भी रहेगा कि वे चाहें तो उम्रकैद की सजा भी दे सकती हैं, यहां तक कि इस्राइली नागरिकों के मामलों में भी। गौर करने वाली बात यह है कि जहां एक ओर इस्राइल में इस कानून को लेकर खूब चर्चाएं चल रही है। दूसरी ओर इस फैसले की कई मानवाधिकार संगठनों ने कड़ी आलोचना की है। उनका कहना है कि यह कानून भेदभावपूर्ण, बेहद कठोर (सख्त) है और इससे हिंसा रुकने की संभावना भी कम है। वहीं फलस्तीनी संगठनों ने भी इसे अन्यायपूर्ण बताया है।

इस्लाइली सुप्रीम कोर्ट जाने का प्रावधान भी

हालांकि मामले में अब माना जा रहा है कि इस कानून को इस्राइल की सर्वोच्च अदालत सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी जा सकती है। कुल मिलाकर, यह कानून इस्राइल-फलस्तीन तनाव को और बढ़ा सकता है और आने वाले समय में इस पर कानूनी और राजनीतिक लड़ाई देखने को मिल सकती है।

अमेरिकी रक्षा मंत्री ने ईरान युद्ध से पैसा बनाने की कोशिश की रिपोर्ट के दावे पर पेंटागन ने दिया

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ एक बार फिर विवाद में फंसते नजर आ रहे हैं। दरअसल मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया है कि ईरान पर हमले से कुछ सप्ताह पहले पीट हेगसेथ का प्रतिनिधित्व करने वाले ब्रोकर ने रक्षा केंद्रित फंड में निवेश करने की कोशिश की थी। रायटर्स ने फाइनेंशियल टाइम्स की रिपोर्ट के हवाले से बताया है कि एक ब्रोकर, जो मॉर्गन स्टेनली के साथ काम करता है, उसने फरवरी में दिग्गज निवेशक कंपनी ब्लैकरॉक से संपर्क किया था। ब्रोकर ने ब्लैकरॉक को डिफेंस इंडस्ट्रियल एक्टिव ईटीएफ में निवेश के लिए मनाने की कोशिश की थी। यह ब्रोकर रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ का भी प्रतिनिधित्व करता है। ब्लैकरॉक का 3.2 अरब डॉलर का इक्विटी फंड उन कंपनियों पर फोकस करता है, जो सरकारी रक्षा खर्च से मिलने वाले फायदे पर फोकस करती हैं। भू-राजनीतिक तनाव और युद्ध की स्थिति में इ कंपनियों का फायदा और बढ़ जाता है। इन कंपनियों में आरटीएक्स, लॉकहीड मार्टिन और नॉर्थरॉप ग्रुमन जैसी कंपनियां शामिल हैं। इन कंपनियों के अमेरिकी रक्षा विभाग के साथ नजदीकी संबंध हैं। हालांकि प्रस्तावित निवेश फाइनल नहीं हो सका। ये अभी स्पष्ट नहीं हो सका है कि पीट हेगसेथ के ब्रोकर ने किसी अन्य रक्षा संबंधित फंड में निवेश किया या नहीं। पेंटागन ने आरोपों को खारिज कियाइस रिपोर्ट के बाद आरोप लगे कि रक्षा मंत्री को ईरान युद्ध की जानकारी थी और इस जानकारी के आधार पर पीट हेगसेथ ने निवेश के जरिए पैसा बनाने की कोशिश की। हालांकि पेंटागन ने इन दावों को खारिज कर दिया है। पेंटागन के प्रवक्ता सीन पारनेल ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में कहा कि रक्षा मंत्री पर जो आरोप लगे हैं ।

ईरान के इस्फहान में 2000 किलो के बम से हमला, राष्ट्रपति ट्रंप ने साझा किया वीडियो

वाशिंगटन, एजेंसी। पश्चिम एशिया में संकट दिन-ब-दिन और भयानक होता जा रहा है। आसमान मिसाइलों से जल रहा है, जमीन धमाकों से कांप रही है और हर दिन नयी तबाही का खतरा अलग से। अमेरिका और इस्राइल का ईरान के साथ जारी ये संघर्ष अपने 32वें दिन में प्रवेश कर चुका है और संकट अभी भी बरकरार है। देखा जाए तो अब यह युद्ध केवल सीमाओं तक नहीं रहा, बल्कि पूरी दुनिया को डर और चिंता में डाल चुका है। हालात अब नियंत्रण से बाहर हैं और कोई समाधान फिलहाल दिखाई नहीं दे रहा। ईरान ने कुवैत के तेल टैंकर को निशाना बनाया है। सोमवार को दुबई के बंदरगाह पर कुवैत के तेल टैंकर पर हमला किया गया, जिससे टैंकर में आग लग गई। इस हमले के चलते समुद्र में तेल फैलने का खतरा भी पैदा हो गया है। होर्मुज जलडमरूमध्य में तेल टैंकरों को निशाना बनाया जा रहा है। ईरान के इस्फहान में अमेरिका ने 2000 किलो बंकर बस्टर बम से किया

हमलाईरान के इस्फहान शहर में धमाके हुए हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को इसका वीडियो सोशल मीडिया पर साझा किया। ईरान के इस्फहान शहर की आबादी करीब 23 लाख है और यहीं पर ईरानी सेना का बद्र सैन्य अड्डा भी है। अमेरिकी मीडिया के अनुसार, अमेरिकी सेना ने इस्फहान के हथियार डिपो पर 2000 किलो वजनी बंकर बस्टर बम से हमला किया। इस्फहान में ही ईरान का संवर्धित यूरेनियम का भंडार भी रखा है। बीते साल जब अमेरिका ने ईरान के परमाणु ठिकानों पर हमला किया था, तब भी इस्फहान में परमाणु ठिकानों को निशाना बनाया गया था।ईरान की राजधानी तेहरान में छाया अंधेराईरान की राजधानी तेहरान में कई इलाकों में अंधेरा छा गया है। दरअसल हमलों में तेहरान के बिजली प्लांट्स को नुकसान पहुंचा है, जिससे पूर्वी तेहरान में कई इलाके बिना बिजली के रहने के मजबूर हैं। वहीं ईरान के समर्थन में इराक के उग्रवादी संगठनों ने अमेरिकी सैन्य अड्डों पर बीते दिन 19 हमले किए। इनमें कई ड्रोन हमले शामिल हैं। दक्षिणी लेबनान में इस्राइल के चार और सैनिकों की मौतइस्राइली सेना ने बताया कि दक्षिणी लेबनान में ऑपरेशन के दौरान चार और इस्राइली सैनिकों की मौत हो गई है। इसके साथ ही दक्षिणी लेबनान में बीती 2 मार्च से अब तक ऑपरेशन के दौरान जान गंवाने वाले इस्राइली सैनिकों की संख्या 10 हो गई है। भारत ने ह शांति सैनिकों पर हमले की निंदा कीभारत ने लेबनान में ह शांति सैनिकों पर हुए हमले की कड़ी निंदा की है। भारत ने कहा कि शांति सैनिक मुश्किल हालात में काम करते हैं, इसलिए उनकी सुरक्षा सबसे जरूरी होनी चाहिए। भारत ने मारे गए सैनिकों को श्रद्धांजलि भी दी।

आईडीएफ ने आधे से अधिक लक्ष्य हासिल किए

वाशिंगटन, एजेंसी। इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने ईरान के खिलाफ चल रहे अमेरिका-इस्राइल संयुक्त सैन्य अभियान को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि यह ऑपरेशन अब आधे से आगे पहुंच चुका है और इसका अगला मुख्य लक्ष्य ईरान के समृद्ध यूरेनियम भंडार को सुरक्षित करना या हटाना है। एक इंटरव्यू में न्यूजमैक्स से बातचीत करते हुए नेतन्याहू ने दावा किया कि इस अभियान में अब तक अह,म सफलताएं हासिल हुई हैं। उनके मुताबिक, ईरान की सैन्य और परमाणु क्षमताओं को काफी हद तक कमजोर कर दिया गया है।ईरान की सैन्य ताकत को बड़ा नुकसान नेतन्याहू ने बताया कि अमेरिका और इस्राइल की सेनाओं ने मिलकर ईरान के मिसाइल सिस्टम, हथियार फैक्ट्रियों और परमाणु कार्यक्रम से जुड़े कई प्रमुख वैज्ञानिकों को निशाना बनाया है।

आमजन को राहत: जनसुनवाई में मौके पर समाधान के साथ स्वास्थ्य परीक्षण भी

जनसुनवाई को अधिक प्रभावी बनाने की पहल कलेक्टर ने सुनी 276 लोगों की समस्याएं

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। कलेक्टर विकास मिश्रा द्वारा जनसुनवाई व्यवस्था को अधिक प्रभावी, पारदर्शी एवं जनोन्मुख बनाने की दिशा में नवाचारपूर्ण पहल की गई है। इसी क्रम में आयोजित जनसुनवाई में कलेक्टर ने स्वयं उपस्थित होकर 276 आमजन की समस्याएं सुनीं और उनके त्वरित निराकरण के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। जनसुनवाई में बड़ी संख्या में पहुंचे नागरिकों ने विभिन्न विभागों से संबंधित अपनी समस्याएं प्रस्तुत कीं, कलेक्टर ने सभी आवेदनों को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को आवेदनों को समय सीमा में निराकृत करने के लिए निर्देशित किया। नई व्यवस्था के तहत जनसुनवाई को सरल एवं सुलभ बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण सुधार किए गए हैं। अब आवेदकों को आवेदन लिखने की सुविधा भी उपलब्ध कराई जा रही है, जिसके लिए विधिक सेवा प्राधिकरण के पैरा लीगल वालेंटियर्स की सहायता ली जा रही है, ताकि अशिक्षित एवं जरूरतमंद व्यक्तियों को किसी प्रकार की कठिनाई न हो। प्राप्त सभी आवेदनों को तत्काल जन आकांक्षा पोर्टल पर दर्ज कर प्रत्येक आवेदक को पावती प्रदान की जा रही है, जिससे पारदर्शिता सुनिश्चित हो सके और आवेदनों की स्थिति का ट्रैक रखा जा सके। जनसुनवाई में हितग्राही मूलक योजनाओं से संबंधित सभी विभागों की अनिवार्य उपस्थिति सुनिश्चित की गई है, जिससे अधिक से अधिक प्रकरणों का निराकरण मौके पर ही किया जा सके। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि हितग्राही मूलक योजनाओं से जुड़े मामलों का प्राथमिकता के आधार पर त्वरित निराकरण किया जाए साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जाए कि आवेदकों को उनके आवेदन पर की गई कार्रवाई की जानकारी समय पर दी जाए उन्होंने स्पष्ट कहा कि यदि किसी आवेदन को अमान्य किया जाता है, तो उसके कारणों का स्पष्ट उल्लेख किया जाए, ताकि आवेदकों को अनावश्यक रूप से भटकना न पड़े। कलेक्टर ने यह भी बताया कि भविष्य में लोगों की समस्याओं के निराकरण के लिए छोटे-छोटे क्लस्टरों में शिविर आयोजित किए जाएंगे जिससे दूरस्थ क्षेत्रों के नागरिकों को भी आसानी से लाभ मिल सके। इन शिविरों के साथ स्वास्थ्य शिविर (हेल्थ कैंप) का आयोजन भी किया जाएगा ताकि लोगों को एक ही स्थान पर प्रशासनिक एवं स्वास्थ्य संबंधी सेवाएं उपलब्ध हो सकें। जनसुनवाई के दौरान स्वास्थ्य विभाग की टीम भी सक्रिय रही, जिसने उपस्थित लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण किया और उन्हें आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श प्रदान किया। यह पहल आमजन के लिए अतिरिक्त सुविधा के रूप में सराही जा रही है। जनसुनवाई में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत शैलेन्द्र सिंह सोलंकी सहित संबंधित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफएक्सीलेंस सीधी में 'वन टू वन मेंटरिंग एंड रिव्यू सेशन' आयोजित

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस संजय गांधी स्मृति शासकीय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय सीधी के इन्क्यूबेशन सेंटर में 'वन टू वन मेंटरिंग एंड रिव्यू सेशन' विषय पर एक विशेष कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत स्टार्टअप आइडियाज की विस्तृत समीक्षा की गई तथा उन्हें व्यक्तिगत स्तर पर मेंटरिंग प्रदान की गई। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। इन्क्यूबेशन सेंटर के नोडल अधिकारी, सहायक नोडल अधिकारी एवं सदस्यगण मेंटर के रूप में उपस्थित रहे और स्टार्टअप्स को आवश्यक मार्गदर्शन, फीडबैक एवं व्यावहारिक सुझाव दिए। मेंटरिंग सत्र के दौरान स्टार्टअप्स की मजबूतियों, कमजोरियों, बाजार संभावनाओं एवं आगामी रणनीतियों पर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्र-छात्राओं में उद्यमिता की भावना को बढ़ावा देना, उनके स्टार्टअप आइडियाज को परिष्कृत करना तथा उन्हें बाजार की चुनौतियों के लिए तैयार करना रहा। इस अवसर पर नोडल अधिकारी डॉ. राकेश कुमार प्रजापति एवं सहायक नोडल अधिकारी डॉ. गुलाम मोहइयुद्दीन ने कहा कि ऐसे सत्र विद्यार्थियों को व्यावहारिक उद्यमिता का अनुभव प्रदान करते हैं और उनके नवाचार को सही दिशा देते हैं। महाविद्यालय का इन्क्यूबेशन सेंटर निरंतर छात्रों के स्टार्टअप विचारों को विकसित करने एवं उन्हें सफल उद्यमी बनाने के लिए प्रयासरत है।

सीधी जनसुनवाई में कलेक्टर खुद लोगों के बीच पहुंचे

शाम 4 बजे तक सुनीं लोगों की समस्याएं, बोले- अधिकारी शिकायतों को निराकरण करे

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सीधी जिला पंचायत दफ्तर में मंगलवार को हुई जनसुनवाई का नजारा बदला-बदला सा था। कलेक्टर विकास मिश्रा अपनी कुर्सी पर बैठने के बजाय खुद चलकर लोगों के पास पहुंचे और उनकी समस्याएं सुनीं। दोपहर 12 बजे से शुरू होकर यह सिलसिला शाम 4 बजे तक चलता रहा इससे पहले दोपहर 1 बजे तक लोगों की समस्याएं सुनी जाती थीं कलेक्टर मिश्रा ने कहा कि अगर लोग 100 किलोमीटर दूर से अपनी तकलीफ लेकर आ सकते हैं, तो एक जनसेवक होने के नाते मेरा फर्ज है कि मैं उनके पास जाकर उनकी बात सुनूं। उन्होंने इसे अपनी जिम्मेदारी बताया। बार-बार चक्कर काटने से मिलेगी मुक्ति कलेक्टर ने मौके पर मौजूद अधिकारियों को सख्त लहजे में निर्देश दिए कि सिर्फ शिकायत सुनना काफी नहीं है, उनका समाधान होना जरूरी है। उन्होंने इस बात पर नाराजगी जताई कि कई लोगों को एक ही काम के लिए 2 से 4 बार जनसुनवाई में आना पड़ता है। उन्होंने साफ कहा कि ऐसी व्यवस्था बनाएं जिससे लोगों को बार-बार दफ्तरों के चक्कर न काटने पड़ें। दूर-दराज से पहुंचे ग्रामीण जनसुनवाई में रामपुर नैकिन, चुरहट, मझौली, सिहावल और बाहरी जैसे इलाकों से बड़ी संख्या में ग्रामीण पहुंचे थे। लोगों ने मुख्य रूप से जमीन के नामांकन (राजस्व), खराब सड़कें, बिजली कटौती और पानी की किल्लत जैसी अपनी बुनियादी समस्याएं प्रशासन के सामने रखीं।

जल गंगा संवर्धन अभियान में ग्राम पंचायतों की सक्रिय भूमिका

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जिले की ग्राम पंचायतें जल संरक्षण एवं स्वच्छता को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। अभियान के अंतर्गत ग्राम पंचायतों में ग्रे वाटर प्रबंधन को प्राथमिकता देते हुए लीच पिट की मरम्मत एवं रंगाई-पुताई का कार्य कराया जा रहा है, जिससे अपशिष्ट जल के सुरक्षित निपटान की व्यवस्था सुदृढ़ हो रही है ग्रामीण एवं अर्ध-शहरी क्षेत्रों में घरों से निकलने वाले अपशिष्ट जल (ग्रे वाटर) के प्रबंधन हेतु लीच पिट एक किफायती, पर्यावरण-अनुकूल एवं टिकाऊ प्रणाली के रूप में उपयोगी सिद्ध हो रही है। यह व्यवस्था पानी को धीरे-धीरे जमीन में रिसने देती है, जिससे जलभराव की समस्या नहीं होती और भूजल स्तर के पुनर्भरण में भी मदद मिलती है। अभियान के तहत सभी ग्राम पंचायतों में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित कर जनसमुदाय एवं शासकीय अधिकारी-कर्मचारियों को जल संरक्षण, स्वच्छता एवं जल के सदुपयोग के प्रति जागरूक किया जा रहा है। इस दौरान सामूहिक रूप से जल संरक्षण की शपथ भी दिलाई जा रही है। इसके साथ ही अभियान के अंतर्गत विभिन्न स्थानों पर 'जल मंदिर' स्थापित कर पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है। वहीं पारंपरिक 'प्याऊ' की व्यवस्था के माध्यम से जरूरतमंदों को नि:शुल्क ठंडा पानी उपलब्ध कराया जा रहा है। यह परंपरा न केवल प्यास बुझाने का कार्य करती है, बल्कि सामाजिक सद्भाव, मानवीय संवेदना और जल संरक्षण के संदेश को भी सशक्त रूप से प्रसारित करती है। जल गंगा संवर्धन अभियान के माध्यम से जिले में जल संरक्षण स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण की दिशा में सामूहिक प्रयासों को नई गति मिल रही है।

स्वच्छता, जागरूकता और सेवा का संगम

राष्ट्रीय सेवा योजना का सात दिवसीय विशेष शिविर गोद ग्राम में संपन्न

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़एक्सीलेंस संजय गांधी स्मृति शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, सीधी की राष्ट्रीय सेवा योजना (छे) की दोनों इकाइयों द्वारा आयोजित सात दिवसीय विशेष शिविर गोद ग्राम नौगवां धीर सिंह में प्राचार्य डॉ. प्रभाकर सिंह के नेतृत्व में सफ्लतापूर्वक संपन्न हुआ। शिविर का शुभारंभ 23 मार्च को मुख्य अतिथि प्राचार्य डॉ. प्रभाकर सिंह, विशिष्ट अतिथि डॉ. अरविंद त्रिपाठी एवं श्रीमती प्रतिभा भार्गव की उपस्थिति में मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ हुआ। उद्घाटन उपरांत स्वयंसेवकों द्वारा परिसर में स्वच्छता अभियान चलाया गया। शिविर के दौरान प्रतिदिन प्रभात फेरी, योग, स्वल्पाहार, बौद्धिक चर्चाएं एवं सामाजिक गतिविधियां आयोजित की गईं। द्वितीय दिवस राष्ट्रीय सेवा योजना के उद्देश्यों पर विस्तार से चर्चा की गई, वहीं तृतीय दिवस सामाजिक न्याय एवं निरूशक्तजन विभाग के सहयोग से नशा मुक्ति अभियान अंतर्गत व्याख्यान आयोजित हुआ, जिसमें स्वयंसेवकों ने पोस्टर एवं कविता के माध्यम से जनजागरूकता का संदेश दिया। इस दौरान नशा निषेध एवं जल संरक्षण की शपथ भी दिलाई गई तथा स्वच्छता एवं साक्षरता रैली निकाली गई। चतुर्थ दिवस स्वयंसेवकों ने अपने अनुभव साझा किए एवं वृद्धाश्रम परिसर में स्वच्छता कार्य किया। पंचम दिवस जिला प्रशासन के आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा आपदा से निपटने हेतु प्रशिक्षण दिया गया, जिसमें उपकरणों के उपयोग की जानकारी भी दी गई।

शासकीय कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय मझौली में एचपीवी एवं मानसिक स्वास्थ्य पर जागरूकता कार्यक्रम, एनएसएस शिविर का समापन

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मध्य प्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग भोपाल के निर्देशानुसार शासकीय कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय मझौली द्वारा गोद ग्राम जोबा में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के तत्वावधान में सात दिवसीय विशेष शिविर का सफ्ल आयोजन किया गया। शिविर का उद्देश्य विद्यार्थियों में शिक्षा के साथ-साथ समाज सेवा की भावना विकसित करना तथा उनके व्यक्तित्व का समग्र विकास करना रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। समारोह की अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. गीता भारती ने की। उन्होंने स्वयंसेवकों के अनुशासन, सेवा भावना एवं समर्पण की सराहना करते हुए कहा कि एनएसएस युवाओं को समाज के प्रति उत्तरदायी बनाता है। म ु ख य अतिथि के रूप में उपस्थित खंड चिकित्सा अधिकारी मझौली डॉ. संदीप कुमार शुक्ला ने एचपीवी टीकाकरण एवं मानसिक स्वास्थ्य पर विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि एचपीवी वैक्सीन कैंसर के खतरे को काफी हद तक कम करने में सहायक है तथा सरकार द्वारा 14 वर्ष या उससे अधिक आयु की बालिकाओं को यह टीका नि:शुल्क उपलब्ध कराया जा रहा है। विशिष्ट अतिथि डॉ. राकेश तिवारी ने छात्राओं को पीसीओडी के बारे में जानकारी देते हुए संतुलित आहार एवं स्वस्थ जीवनशैली अपनाने की सलाह दी और कहा कि स्वस्थ नारी ही सशक्त परिवार का आधार होती है। कार्यक्रम के दौरान छात्र-छात्राओं ने विशेषज्ञों से संवाद कर स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त की। जिला पंचायत सदस्य कृष्ण लाल पायासी ने अपने उद्बोधन में कहा कि एनएसएस शिविर केवल श्रमदान तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सामाजिक जागरूकता और सीखने का सशक्त माध्यम है। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. असलेंद्र जायसवाल ने शिविर का विस्तृत प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए बताया कि शिविर के दौरान स्वच्छता अभियान, जनजागरूकता कार्यक्रम एवं विभिन्न बौद्धिक सत्र आयोजित किए गए। सात दिवसीय शिविर में सहभागिता करने वाले स्वयंसेवकों को अतिथियों द्वारा प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

स्कूल चले हम' अभियान के तहत 1 से 4 अप्रैल तक प्रवेशोत्सव का आयोजन

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिला परियोजना समन्वयक जिला शिक्षा केन्द्र सीधी ने बताया कि मध्यप्रदेश शासन स्कूल शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार शैक्षणिक सत्र 2026-27 का शुभारंभ 1 अप्रैल 2026 से किया जा रहा है। सत्रारंभ के अवसर पर जिले के समस्त शासकीय विद्यालयों में 'स्कूल चले हम' अभियान के अंतर्गत 1 से 4 अप्रैल 2026 तक प्रवेशोत्सव कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

1 अप्रैल 2026 को विभिन्न विकासखण्डों के चयनित विद्यालयों में जनप्रतिनिधियों की विशेष उपस्थिति में कार्यक्रम आयोजित होंगे। सीधी विकासखण्ड अंतर्गत सान्दीपनी कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सीधी में विधायक सीधी रीती पाठक एवं अध्यक्ष जिला पंचायत सीधी मंजू सिंह, सिहावल विकासखण्ड अंतर्गत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अमिलिया में विधायक सिहावल विश्वामित्र पाठक, विकासखण्ड कुसमी में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय जूरी तथा विकासखण्ड मझौली में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय डॉगा में विधायक धौहनी कुंवर सिंह टेकाम तथा रामपुर नैकिन में सान्दीपनी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रामपुर नैकिन में अध्यक्ष नगर पंचायत रामपुर नैकिन राम कुमार साहू की विशेष उपस्थिति में प्रवेशोत्सव कार्यक्रम संपन्न होंगे। इस दिन नवप्रवेशित बच्चों का हल्दी-चावल से टीका लगाकर स्वागत किया जाएगा तथा उन्हें पाठ्यपुस्तकें, साइकिल आदि का वितरण किया जाएगा। साथ ही 85 प्रतिशत से अधिक उपस्थिति वाले विद्यार्थियों के अभिभावकों को विशेष रूप से आमंत्रित कर सम्मानित किया जाएगा और विद्यालयों में विशेष भोज का आयोजन भी किया जाएगा। 2 अप्रैल को पालकों की सहभागिता से सांस्कृतिक एवं खेलकूद कार्यक्रम आयोजित होंगे तथा उन्हें शासकीय योजनाओं एवं विद्यार्थियों को दी जाने वाली सुविधाओं की जानकारी दी जाएगी।

निजी विद्यालयों में पुस्तक एवं गणवेश की उपलब्धता को लेकर 2 अप्रैल को बैठक

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिला शिक्षा अधिकारी ने बताया कि निजी विद्यालयों में संचालित पाठ्यक्रम, विद्यार्थियों को उपलब्ध कराई जाने वाली पुस्तकों तथा निर्धारित गणवेश की उचित दर पर सुलभ उपलब्धता सुनिश्चित करने के संबंध में मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत सीधी की अध्यक्षता में 2 अप्रैल 2026 को दोपहर 12 बजे जिला पंचायत सभागार में बैठक आयोजित की जाएगी। इस बैठक में जिले के समस्त अशासकीय विद्यालयों के संचालक प्राचार्य एवं प्रधानाध्यापकों की उपस्थिति अनिवार्य की गई है। साथ ही सभी विद्यालयों को निर्देशित किया गया है कि वे अपने-अपने विद्यालय में निर्धारित गणवेश का सैंपल बैठक में अनिवार्य रूप से साथ लेकर आएं।

सड़क नहीं होने से ग्रामीण धौहनी विधायक के घर पहुंचे

बोले- दबंग रोड नहीं बनने दे रहे, कुंवर सिंह टेकाम ने एसडीएम को लगाया फोन

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सीधी जिले की मझौली तहसील के ग्राम पंचायत करमाई में सड़क न होने से नाराज आदिवासी ग्रामीण अपनी बरसों पुरानी मांग लेकर सीधे धौहनी विधायक कुंवर सिंह टेकाम के गांव कुसमी पहुंच गए। वहां लोगों ने अपनी समस्या रखी। ग्रामीणों का कहना है कि वे पिछले लगभग 200 सालों से इस इलाके में रह रहे हैं, लेकिन आज तक उन्हें पक्की सड़क नसीब नहीं हुई। करहिया टोला से मुख्य मार्ग तक की दूरी महज आधा किलोमीटर है, पर सड़क न होने से 45 परिवारों की जिंदगी मुश्किल में है बच्चों की पढ़ाई और इलाज में आफत ग्रामीण दान बहादुर सिंह ने बताया कि सड़क नहीं होने से बच्चों को स्कूल जाने और बीमारों को अस्पताल पहुंचाने में बहुत पसीना बहाना पड़ता है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि गांव के ही कुछ दबंग लोग सड़क बनने में अड़ंगा डाल रहे हैं और पंचायत प्रशासन भी इस पर कोई ध्यान नहीं दे रहा है विधायक ने तुरंत दिए निर्देश ग्रामीणों की भीड़ और समस्या की को देखते हुए विधायक कुंवर सिंह टेकाम ने मौके से ही मझौली एसडीएम आर.पी. त्रिपाठी को फोन लगाया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि तुरंत मामले की जांच की जाए और सड़क निर्माण का काम शुरू कराया जाए। विधायक ने लोगों को भरोसा दिलाया कि उनकी समस्या का जल्द हल निकलेगा प्रशासन की तैयारी एसडीएम आर.पी. त्रिपाठी ने पुष्टि की है कि उन्हें विधायक के निर्देश मिल चुके हैं। उन्होंने कहा कि टीम भेजकर जांच कराई जाएगी और जल्द से जल्द करहिया टोला के लोगों को सड़क की सुविधा दिलाने की कार्रवाई शुरू होगी इस मौके पर समरथ सिंह, शिवपूजन सिंह और राजकुमारी सिंह समेत बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

प्रशासनिक कार्य सुविधा हेतु अधिकारियों के बीच कार्य विभाजन

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। कलेक्टर विकास मिश्रा द्वारा प्रशासनिक कार्यों में सुगमता एवं प्रभावशीलता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से पूर्व कार्य विभाजन आदेशों में संशोधन करते हुए जिले में पदस्थ अधिकारियों के बीच नवीन कार्य विभाजन किया गया है जो आगामी आदेश तक प्रभावी रहेगा। जारी आदेशानुसार मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत शैलेन्द्र सिंह सोलंकी को पंचायत एवं ग्रामीण विकास से संबंधित समस्त योजनाओं के साथ-साथ शिक्षा स्वास्थ्य सामाजिक न्याय सहित विभिन्न विभागों एवं योजनाओं के क्रियान्वयन एवं समन्वय का दायित्व सौंपा गया है। अपर कलेक्टर बी.पी. पाण्डेय को राजस्व न्यायालयीन प्रकरणों के निराकरण कानून व्यवस्था बनाए रखने निर्वाचन कार्यों के संचालन वित्तीय स्वीकृतियों एवं विभिन्न प्रशासनिक विभागों की निगरानी की जिम्मेदारी दी गई है। संयुक्त कलेक्टर राजेश शुक्ला को उपखण्ड मजिस्ट्रेट सिहावल संयुक्त कलेक्टर विकास आनंद को उपखण्ड मजिस्ट्रेट उपखण्ड मजिस्ट्रेट गोपद बनास, प्रभारी डिप्टी कलेक्टर आर.पी. त्रिपाठी को उपखण्ड मजिस्ट्रेट मझौली तथा प्रभारी डिप्टी कलेक्टर शैलेश द्विवेदी को उपखण्ड मजिस्ट्रेट कुसमी का दायित्व सौंपा गया है।

दुनिया भी कहे, 'नो किंग्स'

संपादकीय

राष्ट्रपति ट्रंप अपने ही देश में बुरी तरह घिर गए हैं। उनके खिलाफ 'नो किंग्स' बैनर वाले विरोध-प्रदर्शन किए जा रहे हैं। सांसद भी सड़कों पर उतर आए हैं। अमरीका के 50 राज्यों में 3500 से अधिक स्थानों पर करीब 80 लाख लोग सड़कों पर आक्रोशित हैं और राष्ट्रपति ट्रंप का इस्तीफा मांग रहे हैं। ये विरोध-प्रदर्शन ट्रंप के अधिनायकवाद के खिलाफ हैं और ब्रिटेन, यूरोप तक फैल गए हैं। ईरान पर हमला अमरीका और इजरायल के शासनाध्यक्षों का तानाशाही किस्म का रवैया था। उनके तमाम मंसूबे अधूरे रहे हैं। युद्ध को एक महीना बीत चुका है। लगभग पूरी दुनिया हिल चुकी है। संयुक्त राष्ट्र की एक एजेंसी का सर्वेक्षण है कि ईरान युद्ध से 4.5 करोड़ से अधिक लोग 'भुखमरी' के कगार पर हैं। अनुमानित डाटा है कि युद्ध में अभी तक 4500 से अधिक मौतें हो चुकी हैं, करीब 10 लाख लोग बेघर हो चुके हैं, वैश्विक जीडीपी के 2 फीसदी नीचे आने के खतरे सामने हैं। यदि अमरीका और इजरायल में जनता ट्रंप और नेतन्याहू का आक्रामक विरोध कर रही है, तो बिल्कुल लोकतांत्रिक कदम है। अमरीका सबसे प्राचीन लोकतंत्र है। बल्कि विरोध इतना तीखा और सटीक होना चाहिए कि दोनों नेता इस्तीफा देने को विवश हो जाएं। दोनों देशों के नेता 'कब्जेबाज' हैं, लिहाजा युद्ध को माध्यम बनाए हुए हैं। दोनों देशों में चुनाव होने हैं और वे निम्नतम लोकप्रियता के स्तर पर हैं। पेंटागन का आकलन है कि एक माह के युद्ध में ही अमरीका का करीब 30,000 करोड़ रुपए का नुकसान हो चुका है। आर्थिक विशेषज्ञ मान रहे हैं कि ईरान का भी 15-20 लाख करोड़ रुपए और खाड़ी देशों का करीब 2.5 लाख करोड़ रुपए का नुकसान हो चुका है। राष्ट्रपति ट्रंप अब भी विमानवाहक युद्धपोत, मरीन कमांडो, सैनिक, विमान आदि ईरान की ओर भेज रहे हैं। बॉम्बर्स से बमबारी करवा रहे हैं। ईरान को 'कब्रिस्तान' बना दिया है। अब जमीनी युद्ध की भी संभावनाएं हैं।

अमरीका और इजरायल ने एक माह की अवधि में ईरान पर 10,000 से अधिक हमले (प्रति) कर उसके 66 फीसदी सैन्य ठिकानों को नष्ट कर दिया है। आखिर मिसाइल, ड्रोन कितने बचे होंगे? और ईरान कब तक उनके सहारे युद्ध लड़ता रहेगा? यह बेहद चिंतित सवाल है। 'मन की बात' में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा है कि युद्ध से विश्व के सामने ऊर्जा-संकट पैदा हो गया है, जो लगातार गहराता जा रहा है। मुद्रास्फीति और सप्लाई चेन की अवरुद्धता ने दुनिया को झटके दिए हैं। ट्रंप की इस तानाशाही और वैश्विक गुंडागर्दी को क्यों सहन किया जा रहा है? यूरोप, एशिया (भारत, जापान, चीन, दक्षिण कोरिया आदि समेत), अफ्रीका, लैटिन अमरीका और जो देश ईरान युद्ध से पिसे, कुचले जा रहे हैं, वे संयुक्त राष्ट्र में जाएं और ट्रंप के खिलाफ आंदोलन करें। अब प्रस्ताव पारित कराने का वक्त निकल चुका है।

रुपये की गिरावट रोकने रिजर्व बैंक के एक्शन से बैंकों पर दबाव

सनत जैन

पश्चिम एशिया में जारी तनाव और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के बीच भारतीय रुपया डॉलर के मुकाबले में लगातार गिरता चला जा रहा है। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये की कीमत 95.30 के स्तर तक पहुंच गई है। इस वर्ष डॉलर के मुकाबले रुपए में करीब 11 प्रतिशत की गिरावट हुई है। पिछले 14 वर्षों में यह सबसे बड़ी गिरावट है। इस स्थिति को संभालने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने कड़ा कदम उठाते हुए बैंकों की नेट ओपन रुपया (एनओपी) पर 100 मिलियन डॉलर की सीमा तय कर दी है। आरबीआई के निर्देश के अनुसार, सभी अधिकृत विदेशी मुद्रा डीलरों को 10 अप्रैल से प्रत्येक कारोबारी दिन के अंत में अपनी ओपन पोजीशन इस तय सीमा के भीतर रखनी होगी। इससे पहले बैंकों को अपनी कुल पूंजी के 25 प्रतिशत तक डॉलर मुद्रा रखने की छूट थी। जिससे बैंकों और डीलरों के लिए डॉलर रखने की कोई सीमा नहीं थी। रिजर्व बैंक द्वारा डॉलर की सीमा निर्धारित कर दिए जाने के कारण अब रुपए के मुकाबले डॉलर की मांग कम होगी। रिजर्व बैंक ने डॉलर और रुपए की सट्टेबाजी को रोकने के लिए यह कदम उठाया है। जिस तरह से डॉलर की कीमत बढ़ रही थी उसके साथ ही सट्टेबाजी में डॉलर मुद्रा का उपयोग हो रहा था जिसके कारण रुपए में अकारण गिरावट देखने को मिल रही थी। वित्त मंत्रालय और रिजर्व बैंक का मानना है की सीमा निर्धारित कर दिए जाने से सट्टेबाजी में रोक लगेगी। कुछ बड़े निवेशक डॉलर का उपयोग सट्टेबाजी के लिए कर रहे थे। आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है, रिजर्व बैंक के इस फैसले से बैंकों और ट्रेडर्स को डॉलर मे निवेश को कम करना पड़ेगा, जिससे डॉलर की मांग कम होगी, इससे रुपये को मजबूती मिलेगी।

रिजर्व बैंक की इस कार्रवाई से कई दुष्प्रभाव भी देखने को मिल सकते हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, बैंकों को 30 से 45 अरब डॉलर की पोजीशन को कम या समाप्त करना पड़ सकता है, भविष्य में डॉलर की कमी से डीलरों, बैंकों और आयातकों को नुकसान हो सकता है। हाल ही में रुपए में मजबूती जरूर आ जाएगी, लेकिन भविष्य में इसका बड़ा दुष्प्रभाव भी देखने को मिल सकता है। डॉलर मुद्रा को लेकर छोटे लेन-देन में इसका दुष्प्रभाव पड़ेगा। वहीं डॉलर मुद्रा में भारी उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है। जिससे बाजार में अस्थिरता बढ़ने का खतरा है। रिजर्व बैंक ने जो सीमा निर्धारित की है, पूर्व में किए गए अनुबंध और डॉलर के लेन-देन पर इसका असर पड़ना तय है। बैंकों को इस कारण भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है। सभी बैंक एक साथ डॉलर मुद्रा को इस सीमा पर लाने की कार्रवाई करते हैं, तो बाजार में डॉलर की आपूर्ति अचानक बढ़ेगी। डॉलर के मुकाबले रुपए की कीमत में सुधार आएगा। आगे चलकर यह स्थिति भविष्य के लिए जटिल हो सकती है। बैंकों ने आरबीआई से समय सीमा को बढ़ाने की मांग की है। बैंकों ने पुराने लेनदेन और डॉलर मुद्रा के निवेश पर इस सीमा से बाहर रखने की मांग की है। बेंकों का सुझाव है, नए सौदों पर यह नियम लागू किए जाएं, ताकि धीरे-धीरे डॉलर मुद्रा के लेन-देन को लेकर संतुलन बनाया जा सके।

आर्थिक विशेषज्ञों के अनुसार, आरबीआई का यह कदम जरूरी था। सट्टेबाजी के कारण डॉलर के मुकाबले रुपया लगातार गिर रहा था। रिजर्व बैंक ने एक ही बार में हथोड़ा पटक दिया है। इस सीमा को चरणबद्ध तरीके से लागू करना ज्यादा प्रभावी साबित हो सकता है। बैंकों की मांग नाजायज नहीं है। शेयर बाजार और बैंकों के निवेश में वह आकर्षण नहीं था जो डॉलर मुद्रा पर था जिसके कारण भारत में डॉलर मुद्रा को लेकर सट्टेबाजी बड़ी मात्रा में हो रही थी। रिजर्व बैंक की इस कार्रवाई से डॉलर के मुकाबले रुपए की गिरावट को रोकने में मदद मिलेगी, लेकिन यह मदद कितने समय तक रहेगी इसका कोई आकलन रिजर्व बैंक और वित्त मंत्रालय द्वारा नहीं किया गया। इसे जल्दबाजी में उठाया गया एक कदम माना जा सकता है। वित्त मंत्रालय और रिजर्व बैंक को इस पर गंभीरता से विचार विमर्श करने की जरूरत है। भारत के आयात-निर्यात व्यापार में एवं अन्य लेन-देन में डॉलर मुद्रा का अपना वजूद है। भारत में यदि डॉलर पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध नहीं होगा, ऐसी स्थिति में और भी कई तरीके की मुश्किलें खड़ी हो सकती हैं।

मज़बूत इच्छाशक्ति के आगे हर समस्या छोटी होती है

सृष्टि रचनाकर्ता ने मानवीय जीव के रूप में बहुत ही खूबसूरत रचना कर उसमें अनेक गुण दोषों का संयोजन उसने कर दिया है और उनका चुनाव करने के लिए श्रेष्ठ बुद्धि कौशलता रुपी एक सशक्त अस्त्र भी दिया है, बस!अब अपने जीवन चक्र को सफलताओं या असफलताओं की ओर ले जाना मानवीय जीव के हाथ में है।माननीय जीवन ने गुणों क़े उनके गुणों में से एक इच्छाशक्ति महत्वपूर्ण गुण है जो सफलता की चाबी भी है! परंतु न जाने क्यों हम इसको अनदेखा कर देते हैं और हम असफल हो जाते हैं और उसका दोष किस्मत या सृष्टि रचनाकर्ता को देते हैं जबकि उसनें मनुष्य जीव में गुणों का अंबार भरा है, बस!जरूरत है हमें अपने बुद्धि कौशलता से उसे पहचान कर प्रयोग करने की! तो सफलता आकर हमारे कदम चूमेगी। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं क़ि दृढ़ इच्छाशक्ति यह सफ़लताओं की चाबी है। मजबूत इच्छाशक्ति के आगे हर समस्या छोटी हो जाती है, क्योंकि प्रबल इच्छा शक्ति मुसीबतों से लड़ने की कुंजी है जिसके बल पर हम बड़ी से बड़ी पहाड़ तुल्य समस्याओं से भी यूं मुकाबला कर फ़तह हासिल कर सकते हैं।

किशन सनमुखदास भावनानी

साथियों हम सबके जीवन में कई बार ऐसी स्थितियां आती हैं, जब हमें लगता है कि सब कुछ गड़बड़ हो रहा है। ऐसी स्थिति में इच्छाशक्ति ही आपको मुसीबतों से लड़ने में मदद करती है। इस शक्ति के अंतर्गत दृढ़ निश्चय, आत्मविश्वास, कार्य करने की अनवरत चेष्टा और अध्यवसाय आदि गुण आ जाते हैं। यह शक्ति मनुष्य के मुखमंडल पर अपूर्व तेज उत्पन्न करती है और आंखों में सम्मोहन का जादू लाती है।

साथियों बात अगर हम इच्छा शक्ति की परिभाषा की करें तो, इच्छाशक्ति वह वृत्ति चक्र है जिसके अंतर्गत प्रत्यय, अनुभूति इच्छा, गति या प्रवृत्ति, शरीर धर्म सबका योग रहता है। जो संकल्प को साकार करने का माध्यम बनती है वह इच्छाशक्ति कहलाती है। ऐसी बलवती इच्छा को जिसकी ज्योति अहर्निश कभी मंद न हो, उसे दृढ़ इच्छाशक्ति कहते हैं। हम सबके जीवन में कई बार ऐसी स्थितियां आती हैं, जब हमें लगता है कि सब कुछ गड़बड़ हो रहा है। ऐसी स्थिति में इच्छाशक्ति ही हमको मुसीबतों से लड़ने में मदद करती है। इस शक्ति के अंतर्गत दृढ़ निश्चय, आत्मविश्वास, कार्य करने की अनवरत चेष्टा और अध्यवसाय आदि गुण आ जाते हैं। यह शक्ति मनुष्य के मुखमंडल पर अपूर्व तेज उत्पन्न करती है और आंखों में सम्मोहन का जादू लाती है।

साथियों बात अगर हम दृढ़ इच्छाशक्ति के टाइमिंग की करें तो, जीवन में किसी भी चीज को पाने के लिए मेहनत से पहले मजबूत इच्छाशक्ति का होना बेहद जरूरी है। जैसे, कई बार ऐसा होता है कि व्यक्ति शुरुआत में किसी चीज को पाना चाहता है लेकिन धीरे-धीरे उसका हौंसला टूटने लगता है या उसका मन बदल जाता है, ऐसा कमजोर इच्छाशक्ति के कारण होता है इसलिए किसी भी चीज को पाने के लिए मजबूत इच्छाशक्ति का होना बहुत जरूरी है। ऐसे में हम आपको बता रहे हैं, ऐसी बातें जिनपर अमल करके हमारी इच्छाशक्ति मजबूत होगी।

साथियों बात अगर हम इच्छा शक्ति को मजबूत करने की करें तो, अपने काम पर दृढ रहें,अपनी इच्छा शक्ति को बहुत ज्यादा मजबूत बनाने के लिए यह भी एक बहुत ही अच्छा तरीका है कि हम अपने काम पर बहुत जबरदस्त तरीके से फोकस करें। यानें हम अपने काम पर दृढ़ रहें। कोई कुछ भी कहे अगर हमने यह मन बना लिया है कि हमको ये काम करना है तो हमको ये काम करना ही करना है। हमको किसी और बातों पर ध्यान नहीं देना है। अगर हम अपने काम पर दृढ रहेंगे तो हमारा दिमाग यह बात समझ लेगा कि यह चीज हमारे जीवन में बहुत ज्यादा महत्वपूर्ण है इसलिए हम इस काम को बहुत ही दिल से मन लगा कर दृढ़ प्रतिज्ञ होकर कर रहे हैं।

साथियों बात अगर हम इच्छाशक्ति के लिए लक्ष्यों की करें तो, हम अपना लक्ष्य निश्चित करें अगर हमको हमारे जीवन में सफलता चाहिए तो यह हमारे लिए सबसे ज्यादा जरूरी है कि सबसे पहले हम हमारे जीवन में अपने लक्ष्य को निश्चित करें। तब ही हम किसी चीज को अपने जीवन में फॉलो कर पाओगे। नहीं तो ऐसे हम अपने जीवन में किस चीज को फॉलो करोगे, किस चीज के लिए हम विल पावर बढ़ाएंगे, तो सबसे पहले हमारे लिए जरूरी है कि हम अपने जीवन में लक्ष्य को निर्धारित करें। एक बार हम अपने जीवन में अपने लक्ष्य को निर्धारित कर लेंगे उसके बाद हमारा दिमाग लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए हर संभव प्रयास करने लगेगा। बस हम अपने लक्ष्य पर दृढ़ रहें।

साथियों बात अगर हम इच्छाशक्ति को जगाने की करें तो, निम्न बिंदुओं पर अभ्यास कर इच्छाशक्ति को जाग्रत किया जा सकता है। इच्छाशक्ति को मजबूत बनाने के लिए शुरुआत करने के लिए सबसे पहले हमें तनाव के स्तरर का प्रबंधन करने की जरूरत होती है। (1)सकारात्मक नजरिया (2)तनाव प्रबंधन करना सीखें (3) खुद पर पूरा विश्वास रखें (4)बेहतर ऊर्जा प्रबंधन करें (5) अंतःशक्तियों को कें द्रीभूत करें (6) स्वयं के प्रति ईमानदार बनें (7) सही पोषण, योग और व्यायाम साथियों बात अगर हम इच्छा शक्ति के टॉनिक की करें तो, जैसे हैं वैसे ही बने रहें दिखावा बिल्कुल भी मत करें हम जैसे भी हो वैसे ही बने रहें। किसी भी प्रकार का कोई शो ऑफ करने की कोई जरूरत नहीं है। अगर हम कोई एक चीज जैसे हो वैसे ही प्राप्त करते हो तो वह चीजें हमको जिंदगी भर तक हमारे साथ रहती है और हमको अच्छा रिजल्ट भी मिलता है। दरअसल यह चीज हम अपने वास्तविक परिश्रम से हासिल किए रहते हो इसलिए वह जिंदगी भर हमारे साथ रहती है और यह हमारी इच्छा शक्ति को बढ़ाता है। ना केवल हमारी इच्छा शक्ति को बढ़ाता है बल्कि हमारे आत्मविश्वास को भी बढ़ाता है।

साथियों बात अगर हम इच्छा शक्ति के रोडमैप की करें तो, पेपर पर अपने लक्ष्य को लिखें इसके लिए हमको थोड़ी दिमागी कसरत भी करनी पड़ेगी। बेहतर होगा कि हम अपना लक्ष्य पेपर पर लिखकर उससे जुड़ी चुनौतियां भी लिख लें, इससे हमको उन चुनौतियों से कैसे लड़ना है, यह भी अंदाजा हो जाएगा। आत्मविश्वास और इच्छाशक्तिजीवन में कई बार ऐसे मौके आएंगे, जब हमारा विश्वास डगमगाने लग जाएगा और हमको लगेगा कि हमारा लक्ष्य व्यर्थ है, लेकिन उस वक्त हमको इन नकरात्मकताओं से दूर रहकर आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ना है। साथियों बात अगर हम इच्छाशक्ति को चिंता से दूर करने की करें तो, चिंता ना करें, चिंतन करेंः किसी भी बात की चिंता मत करें। बल्कि उसके बारे में चिंतन करें कि इसका समाधान क्या हो सकता है। इससे एक तो हमारी मानसिक शक्ति बढ़ेगी और दूसरा हमारी समस्याओं का समाधान भी होगा। यह एक ऐसा अभ्यास है, इससे धीरे-धीरे हम इतने मजबूत हो जाएंगे कि हमको हर मुश्किल एक अवसर लगेगी।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि श्रेष्ठ और दृढ़ इच्छाशक्ति सफलता की चाबी है! मजबूत इच्छाशक्ति के आगे हर समस्या छोटी होती है। प्रबल इच्छा शक्ति मुसीबतों से लड़ने की कुंजी है-दृढ़ इच्छाशक्ति के आगे खुद सफलताएं नतमस्तक होकर कदम चूमती है।

(-संकलनकर्ता लेखक - क़र विशेषज्ञ स्तंभकार साहित्यकार अंतरराष्ट्रीय लेखक चिंतक कवि संगीत माध्यम सीए (एटीसी) एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र)

(चिंतन-मनन) अपनेपन का प्रेम असली प्रेम

जब प्रेम बहुत गहरा होता है, तब तुम किसी भी गलतफहमी के लिए पूरी जिम्मेवारी लेते हो। पल भर के लिए ऊपरी तौर से नाराजगी व्यक्त कर सकते हो, परन्तु जब इस नाराजगी को दिल से महसूस नहीं करते, तब तुम एक-दूसरे को अच्छी तरह समझ पाते हो। तब तुम उस अवस्था में हो जहां सभी समस्याएं और मत-भेद मिट जाते हैं और केवल प्रेम झलकता है। प्रायः हम मतभेदों में उलझे रहते हैं क्योंकि अपने वास्तविक स्वभाव से दूर हो गए हैं।

प्रेम के नाम पर हम दूसरों को इच्छानुसार चलाना चाहते हैं। यह स्वाभाविक है कि जब हम किसी से प्रेम करते हैं तो हम चाहते हैं कि वे त्रुटिहीन हो। तुम पहाड़ी के ऊपर से जमीन के गड्ढों को नहीं देख सकते। इसी प्रकार, उन्नत चेतना की अवस्था से दूसरों की त्रुटियां नजर नहीं आती। परन्तु जमीन आकर गड्ढों को (दोषों को) देख सकते हो। और गड्ढों को भरना चाहते हो तो उन्हें देखना ही होगा। हवा में रहकर तुम घर नहीं बना सकते। गड्ढों को देखे बिना, उनको भरे बिना, कंकड़-पत्थर हटाए बिना, जमीन को नहीं जोत सकते।

इसीलिए जब तुम किसी से प्रेम करते हो और उनमें दोष ही दोष देखते हो तो उनके साथ रहो और गड्ढे भरने में उनकी मदद करो। यही ज्ञान है। तुम किसी को प्यार क्यों करते हो? क्या उनके गुणों के लिए या मित्रता और अपनेपन के कारण? अपनत्व महसूस किए बिना, केवल उनके गुणों के लिए, तुम किसी से प्रेम कर सकते हो! इस प्रकार का प्रेम प्रतिस्पर्धा और ईर्ष्या पैदा करता है। परन्तु जब प्रेम आत्मीयता के कारण होता है, तब ऐसा नहीं होता। जब तुम किसी को उनके गुणों के लिए चाहते हो और जब उनके गुणों में बदलाव आता है, या जब तुम उनके गुणों के आदी हो जाते हो, तुम्हारा प्रेम भी बदल जाता है। परन्तु प्रेम यदि अपनत्व के भाव से है, क्योंकि वे तुम्हारे अपने हैं, तब वह प्रेम जन्म-जन्मान्तरों तक रहता है। लोग कहते हैं, मैं ईश्वर से प्रेम करता हूं क्योंकि वे महान है। और यदि यह पाया जाए कि ईश्वर साधारण हैं, हमारे जैसे ही एक व्यक्ति, तब तुम्हारा प्रेम समाप्त हो जाएगा। यदि तुम ईश्वर से इसलिए प्रेम करते हो क्योंकि वे तुम्हारे अपने हैं, तब वे चाहे जैसे भी हों, चाहे वे रचना करें या विनाश, तुम फिर भी उन्हें प्रेम करते हो। अपनेपन का प्रेम स्वयं के प्रति प्रेम के समान है।

मैनेजमेंट गुरु हनुमान: असंभव को संभव बनाने की शक्ति एवं संकल्प

दिलीप कुमार पाठक

आज जब चैत्र मास की पूर्णिमा का चंद्रमा अपनी पूरी आभा के साथ आकाश में उदित होगा, तो धरती पर एक ऐसी ऊर्जा का संचार होगा जो सदियों से भारतीय जनमानस के रोम-रोम में बसी है। यह दिन केवल एक कैलेंडर की तिथि नहीं है, बल्कि उस महाशक्ति के अवतरण का उत्सव है जिसे हम हनुमान कहते हैं। हनुमान जी का व्यक्तित्व किसी परिचय का मोहताज नहीं है; वे घर-घर के रक्षक, संकटों के नाशक और हर व्याकुल हृदय के परम साथी हैं।

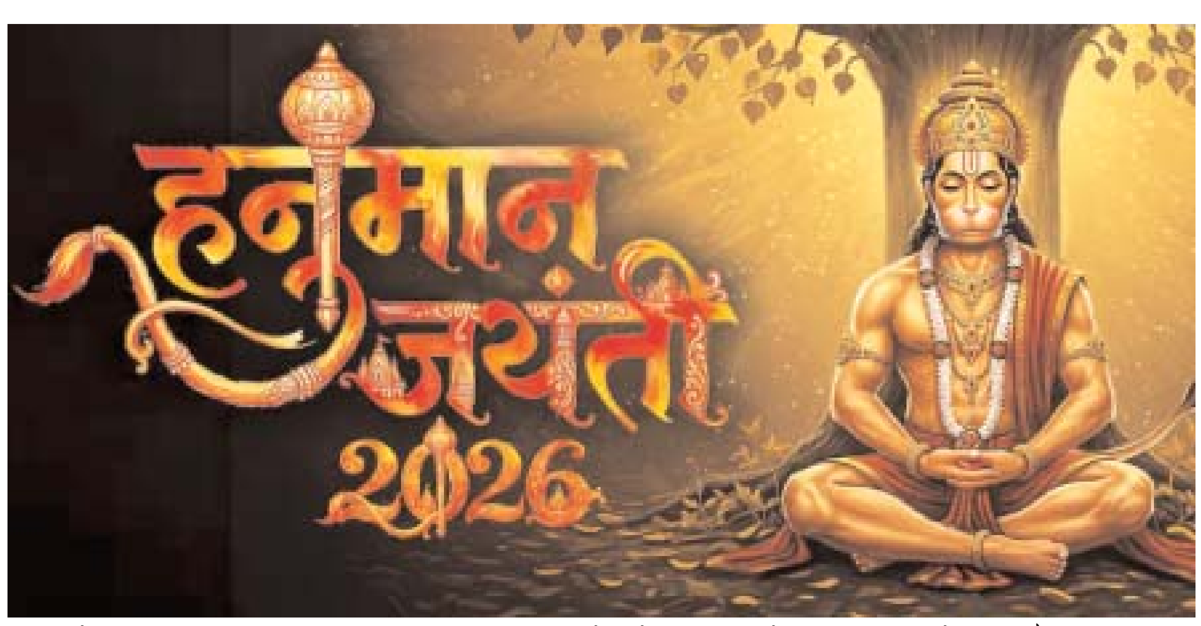

उनकी महिमा का गान जितना सरल है, उनका जीवन दर्शन उतना ही गहरा और प्रेरणादायी है। उनकी सबसे बड़ी सुंदरता उनकी निस्वार्थ भक्ति में छिपी है। उन्होंने दुनिया को सिखाया कि ईश्वर को पाने के लिए किसी कठिन आडंबर की नहीं, बल्कि निर्मल मन और पूर्ण समर्पण की आवश्यकता होती है।

एक ओर जहाँ उनके पास लंका को भस्म करने और समुद्र को एक छलांग में लांघने की असीम शक्ति थी, वहीं दूसरी ओर वे प्रभु राम के चरणों में एक अबोध बालक की भांति विनत रहते थे। उनकी शक्ति में कोई अहंकार नहीं था और उनकी विनम्रता में कोई कमजोरी नहीं थी। जब उनसे उनकी अद्भुत सामर्थ्य का रहस्य पूछा गया, तो उन्होंने बड़ी सहजता से कहा कि जो कुछ भी है, वह केवल राम नाम की महिमा है। यह शून्य हो जाने का भाव ही उन्हें ब्रह्मांड का सबसे बड़ा भक्त बनाता है। अक्सर हम शक्ति को अधिकार और अधिपत्य से जोड़कर देखते हैं, लेकिन हनुमान जी ने शक्ति की परिभाषा ही बदल दी। उनके पास अष्ट सिद्धि और नव निधि का वरदान था, जिससे वे सूक्ष्म से सूक्ष्म और विशाल से विशाल रूप धर सकते थे, किंतु उन्होंने इस सामर्थ्य का उपयोग केवल जनकल्याण और प्रभु काज के लिए किया। यह संयम आज के नेतृत्व के लिए सबसे बड़ी सीख है कि शक्ति जितनी अधिक हो, विनम्रता उतनी ही गहरी होनी चाहिए।

जब हम सुंदरकांड के प्रसंगों को पढ़ते हैं, तो पाते हैं कि हनुमान जी केवल एक योद्धा नहीं, बल्कि एक चतुर कूटनीतिज्ञ और संवाद के ज्ञाता भी थे। लंका में विभीषण को अपनी ओर मिलाना हो या रावण की सभा में निर्भीकता से अपनी बात रखना, उनकी वाकपटुता बेमिसाल थी। वे सिखाते हैं कि कठिन से कठिन परिस्थिति में भी धैर्य नहीं खोना चाहिए और शत्रु के घर में भी मित्र ढूँढने की दृष्टि रखनी चाहिए। आज के प्रतिस्पर्धी युग में, जहाँ छोटी-छोटी असफलताओं पर लोग टूट जाते हैं, हनुमान जी का अटूट आत्मविश्वास एक संजीवनी की तरह काम करता है। उनका चरित्र हमें टीम वर्क और समर्पण की अनूठी शिक्षा देता है। लंका विजय के महाभियान में उन्होंने कभी भी श्रेय लेने की कोशिश नहीं की। जब भगवान राम ने उन्हें गले लगाया और भरत के समान प्रिय कहा, तब भी वे हाथ जोड़कर चरणों में ही बैठे रहे। यह दर्शाता है कि सच्चा सेवक वही है जो परिणाम की चिंता किए बिना अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान दे और सफलता का श्रेय अपने आराध्य को सौंप दे।

आज के इस भागदौड़ भरे युग में हनुमान जी एक मैनेजमेंट गुरु की तरह नजर आते हैं। लक्ष्य कितना भी बड़ा क्यों न हो, मार्ग में कितनी भी बाधाएँ क्यों न आएं, हनुमान जी हमें सिखाते हैं कि बुद्धि और पराक्रम के सही संतुलन से हर मुश्किल को जीता जा सकता है। लक्ष्मण जी के प्राण बचाने के लिए पूरी पहाड़ी उठा लाना यह दर्शाता है कि जब अपनों पर संकट आए, तो असंभव शब्द डिक्शनरी से बाहर कर देना चाहिए।

वे युवाओं के लिए एकाग्रता और अनुशासन के जीते-जागते उदाहरण हैं। उनकी लंगोट का त्याग और सिंदूरी चोला हमें सादगी और सात्विकता का मार्ग दिखाता है। हनुमान जयंती मनाना केवल मंदिरों में चोला चढ़ाने तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि आज के दौर में जब समाज में स्वार्थ बढ़ रहा है, तब हनुमान जी का सेवा परमो धर्म का संदेश एक प्रकाश स्तंभ की तरह है। हनुमान जी एक ऐसी वैश्विक चेतना हैं जो सीमाओं और मजहबों से परे है। दुनिया के कई देशों में उन्हें अलग-अलग नामों से पूजा जाता है, क्योंकि संकट हर इंसान के जीवन में आता है और हर इंसान को एक संकटमोचन की तलाश होती है। वे भय से मुक्ति का मार्ग हैं। जब हम नासै रोग हरै सब पीरा का जाप करते हैं, तो वह केवल शब्द नहीं होते, बल्कि एक अटूट विश्वास होता है जो हमारी कोशिकाओं में नई ऊर्जा भर देता है। हनुमान जी का नाम ही पर्याप्त है मन के हर संशय और दुर्बलता को मिटाने के लिए। जैसे-जैसे आज का दिन चढ़ेगा, हर ओर जय सिया राम के उद्घोष गूंजेंगे। लेकिन सच्ची पूजा तब होगी, जब हम उनके साहस को अपने आचरण में और उनकी करुणा को अपने व्यवहार में उतारेंगे। हनुमान जी चिरंजीवी हैं, वे कल भी थे, आज भी हैं और कल भी रहेंगे। वे हर उस व्यक्ति के साथ हैं जो धर्म और सत्य की राह पर अडिग है।

‘महंगाई और किसानों की अनदेखी बर्दाश्त नहीं, संघर्ष होगा ‘

महंगाई और किसान मुद्दों पर कांग्रेस का प्रदर्शन, पोहरी-करैरा में ज्ञापन दिया

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। शिवपुरी जिले के पोहरी और करैरा में कांग्रेस पार्टी ने महंगाई और किसानों की समस्याओं को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने गैस सिलेंडर, पेट्रोल-डीजल और बिजली दरों में बढ़ोतरी के खिलाफ नारेबाजी करते हुए राष्ट्रपति के नाम अनुविभागीय अधिकारी (एसडीएम) को ज्ञापन सौंपा। पोहरी में कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि रसोई गैस की आपूर्ति अनियमित है, जिससे आम जनता पर आर्थिक बोझ बढ़ गया है। साथ ही स्मार्ट मीटर के बाद बढ़े बिजली बिल और दरों में वृद्धि पर भी नाराजगी जताई गई। किसानों को डीजल की कमी से दिक्कत, खेती प्रभावित कांग्रेस नेताओं ने कहा कि इस समय खेती का काम चरम पर है, लेकिन डीजल-पेट्रोल की कमी के कारण किसानों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने ईंधन की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने की मांग की। करैरा में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी ने धरना-प्रदर्शन कर ज्ञापन सौंपा। ब्लॉक अध्यक्ष मुकद्दर खान ने कहा कि गैस और बिजली की बढ़ती कीमतों ने आम लोगों का जीवन मुश्किल कर दिया है। बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि से फसलों को हुए नुकसान का मुद्दा उठाते हुए कांग्रेस ने प्रभावित किसानों को शीघ्र मुआवजा देने की मांग की। पार्टी ने चेतावनी दी कि समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो उग्र आंदोलन किया जाएगा।

बस में हुई डिलीवरी :अस्पताल से लौटते समय प्रसूता ने बच्ची को जन्म दिया, मां-बेटी सुरक्षित

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। स्वास्थ्य व्यवस्थाओं की हकीकत उस वक्त सामने आ गई, जब एक गर्भवती महिला को समय पर इलाज नहीं मिला और उसे मजबूरन चलती बस में ही बच्ची को जन्म देना पड़ा। इस घटना ने जिले की चिकित्सा व्यवस्था और अस्पतालों की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। करैरा क्षेत्र के ग्राम बघेदरी निवासी 26 वर्षीय आशा पत्नी रविंद्र वंशकार सोमवार दोपहर अपने परिजनों के साथ गांव लौट रही थीं। इसी दौरान अमोला के पास सिरसौद चौराहे पर उन्हें प्रसव पीड़ा शुरू हुई और उन्होंने बस के अंदर ही एक स्वस्थ बच्ची को जन्म दिया। डिलीवरी के बाद परिजनों ने तुरंत प्रसूता को बस से उतारकर टमटम के जरिए सिरसौद अस्पताल पहुंचाया। वहां मां और नवजात को भर्ती कर लिया गया है। फिलहाल दोनों की स्थिति सुरक्षित बताई जा रही है। अस्पताल पर लगाए इलाज में लापरवाही के आरोप इस घटना के पीछे परिजनों ने जिला अस्पताल के डॉक्टरों और स्टाफ पर गंभीर आरोप लगाए हैं। प्रसूता की सास कौशल्या के अनुसार, वे पांच दिन पहले डिलीवरी के लिए जिला अस्पताल पहुंचे थे। वहां आशा को प्रसव पीड़ा होने पर भी स्टाफ द्वारा दवाइयों और इंजेक्शन के जरिए दर्द को रोका जाता था। परिजनों का आरोप है कि डॉक्टर लगातार ऑपरेशन से डिलीवरी करने की बात कह रहे थे, जबकि आशा के पहले दो बच्चे सामान्य प्रसव से हुए थे। इसी वजह से परिजन ऑपरेशन के लिए तैयार नहीं थे। इसके अलावा अस्पताल में रुकने और देखभाल को लेकर भी परिजनों को परेशानी का सामना करना पड़ा। इन सब परेशानियों से तंग आकर परिजन बिना किसी को सूचना दिए प्रसूता को लेकर गांव लौट रहे थे। इसी दौरान रास्ते में बस में ही डिलीवरी हो गई। बीएमओ बोले- परिजन बिना बताए लेकर गए इस मामले में करैरा बीएमओ डॉ. नारायण सिंह कुशवाह का कहना है कि परिजन बिना बताए जिला अस्पताल से चले गए थे, ऐसे में अस्पताल प्रबंधन की जिम्मेदारी नहीं बनती। प्रसूता फिलहाल सिरसौद अस्पताल में भर्ती है और उसकी स्थिति सामान्य है।

नाबालिग से दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार, शादी का झांसा देकर भगाया था, कोर्ट ने भेजा जेल

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। शिवपुरी जिले के सिरसौद थाना क्षेत्र में एक नाबालिग लड़की से दुष्कर्म के आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी ने 14 वर्षीय पीड़िता को शादी का झांसा देकर भगाया था। पुलिस जांच में दुष्कर्म की पुष्टि हुई है। सिरसौद थाना प्रभारी मुकेश दुबौलिया ने बताया कि 28 मार्च को पीड़िता के परिजनों ने थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत के अनुसार, 24 मार्च को एक अज्ञात व्यक्ति उनकी 14 वर्षीय बेटी को बहला-फुसलाकर भगा ले गया था। इस पर थाना सिरसौद में अपराध क्रमांक 87/2026, धारा 137(2) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए, शिवपुरी पुलिस अधीक्षक अमन सिंह राठौड़ ने सिरसौद थाना प्रभारी उपनिरीक्षक मुकेश दुबौलिया को नाबालिग की तलाश के लिए एक टीम गठित करने का निर्देश दिया। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संजीव मुले और एसडीओपी पोहरी आनंद राय के मार्गदर्शन में, टीम ने मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया और अपहृता की तलाश में विभिन्न स्थानों पर लगातार दबिश दी। इसी अभियान के तहत, नाबालिग पीड़िता को आरोपी के कब्जे से दतिया जिले के सेवढ़ा से सुरक्षित बरामद किया गया। पीड़िता ने पूछताछ में बताया कि आरोपी ने उसे शादी का झांसा देकर दुष्कर्म किया। पीड़िता के बयान के आधार पर, मामले में बलात्कार और पॉक्सो एक्ट की संबंधित धाराएं जोड़ी गईं। आरोपी को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे शिवपुरी जेल भेज दिया गया।

4 करोड़ की प्रॉपर्टी हड़पने भाई को मरवाया, पूर्व कांग्रेस नेता समेत 15 आरोपी गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, मुंगेली (निप्र)। हत्या के बाद लाश रेत में दफनाई गई थी। 8 दिन बाद पुलिस की मौजूदगी में शव खोंदकर निकाला गया। हत्या के बाद लाश रेत में दफनाई गई थी। 8 दिन बाद पुलिस की मौजूदगी में शव खोंदकर निकाला गया। छत्तीसगढ़ के मुंगेली जिले में संपत्ति हड़पने के लिए छोटे भाई ने सुपारी देकर बड़े भाई को मरवा दिया। दामोदर सिंह (62) रिटायर्ड शिक्षा अधिकारी थे। उनके पास लगभग 4 करोड़ की प्रॉपटी और 30 तोला सोना था, जो वह हड़पना चाहता था। मर्डर के लिए उसने गांव के ही युवक से 10 लाख रुपए और 50 डिसमिल जमीन देने की डील की थी और साढ़े 4 लाख रुपए एडवांस भी दे भी दिए थे मामला लालपुर थाना क्षेत्र का है। वारदात में 15 लोग शामिल थे। 21 मार्च को दामोदर को बुलाकर गमछे से उसका गला घोंटा गया, लाश घटनास्थल से 60द्मद्व दूर जंगल ले जाकर रेत में दफनाया गया, फिर मोबाइल नदी में बहा दिया था। 8 दिन बाद पूरे मामले का खुलासा हुआ। पुलिस ने सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। इनमें पूर्व कांग्रेस नेता समेत 4 नाबालिग और परिवार के ही सदस्य है। दामोदर सिंह राजपूत (62) शिक्षा विभाग में लेखा अधिकारी थे। जो रिटायर के बाद मुंगेली में किराए के मकान में रह रहे थे। जांच में सामने आया कि दामोदर सिंह का अपने इकलौते बेटे संजय राजपूत के साथ संपत्ति को लेकर विवाद चल रहा था। इसी पारिवारिक कलह का फायदा उठाकर आरोपियों ने प्रॉपटी और सोना हड़पने की साजिश रची।

जिला स्तरीय अप्रेंटिसशिप/प्लेसमेंट मेला 13 अप्रैल को

मीडिया ऑडीटर,जनकपुर (निप्र)। प्रदेश के युवाओं को निजी क्षेत्र में रोजगार और अप्रेंटिसशिप के अधिक अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से जिला स्तरीय अप्रेंटिसशिप/प्लेसमेंट मेला 13 अप्रैल 2026 को जनकपुर स्थित शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था (आईटीआई), जनकपुर, जिला एमसीबी (छत्तीसगढ़) में आयोजित किया जाएगा। इस मेले में विभिन्न निजी क्षेत्र की प्रतिष्ठानें तकनीकी और गैर-तकनीकी पदों के लिए सीधे साक्षात्कार लेंगी और योग्य अभ्यर्थियों का चयन करेंगी। साथ ही, मेले में भाग लेने वाले अभ्यर्थियों का पंजीकरण नेशनल अप्रेंटिसशिप पोर्टल पर भी किया जाएगा।

आवश्यक दस्तावेज़: मेले में भाग लेने वाले अभ्यर्थियों को निम्नलिखित दस्तावेज़ों के साथ उपस्थित होना अनिवार्य होगा 10वीं एवं 12वीं की अंकसूची आईटीआई प्रमाण पत्र (यदि लागू हो)

निवास प्रमाण पत्र
जाति प्रमाण पत्र
आधार कार्ड
बैंक पासबुक
दो पासपोर्ट साइज फोटो

कौन कर सकते हैं भागीदारी: आईटीआई के किसी भी ट्रेड में उत्तीर्ण प्रशिक्षणार्थी एवं अन्य इच्छुक युवक-युवतियां इस मेले में भाग ले सकते हैं। इच्छुक अभ्यर्थी नेशनल अप्रेंटिसशिप पोर्टल ([www.apprenticeshipin-dia.gov.in](httpÑ//www.appren-ticeshipindia.gov.in)) पर ऑनलाइन पंजीकरण कर सकते हैं और अपने दस्तावेज़ों के साथ साक्षात्कार में सम्मिलित हो सकते हैं। उद्योगों के लिए भी अवसर जिले एवं आसपास के सभी उद्योगों को इस मेले में आमंत्रित किया गया है, ताकि वे अपने संस्थानों के लिए योग्य उम्मीदवारों का चयन कर सकें। इच्छुक उद्योग अपने रिक्त पदों और आवश्यकताओं की जानकारी मेल द्वारा [iti-janakpur@gmail.com](mailtoÑi-tijanakpur@gmail.com) पर भेज सकते हैं। अंत में: इस मेले के माध्यम से युवाओं को बेहतर रोजगार के अवसर मिलेंगे और उद्योगों को भी अपने संस्थान के लिए योग्य कर्मचारियों की तलाश पूरी होगी।

331 मीटर टनल में अब नहीं टूटेगा सिग्नल,रेलवे ने भनवारटंक की सुरंग में पहली बार म्युनिकेशन-सिस्टम

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (निप्र)। SECR ने सुरक्षा और तकनीक में एक नई सफलता हासिल की है। बिलासपुर रेल मंडल के भनवारटंक स्टेशन और इसके आस-पास के खतरनाक अप और डाउन 331 मीटर लंबे टनल में सिग्नल समस्या को हमेशा के लिए समाप्त कर दिया है। 100 साल से भी अधिक पुराने दोनों हाई रिस्क टनल हैं, जिसमें रेलवे ने आधुनिक कम्युनिकेशन सिस्टम की सफल कमीशनिंग की है। इस तकनीक के बाद अब पहाड़ों के बीच से निकलने वाली ट्रेनों और वहां काम करने वाले स्टाफ के बीच जीरो गैप कनेक्टिविटी रहेगी। इस सिग्नलिंग सिस्टम में पहाड़ों के बीच भी भरपूर सिग्नल मिलेगा। ब्रिटिश शासन काल में भनवारटंक रेलवे स्टेशन के बाद दो पहाड़ों के बीच की 115 फीट की गहराई पर पुल बनाकर सुरंग बनाई गई है।

जनसुनवाई में शराब दुकान का विरोध: पानी, मारपीट और दहेज प्रताड़ना के मामले भी सामने आए

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। जिला मुख्यालय पर मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई में आवासीय क्षेत्र में शराब दुकान खोले जाने का मुद्दा प्रमुख रहा। वार्ड-11, थाना कोतवाली क्षेत्र के रहवासी मीना राय सहित बड़ी संख्या में लोग कलेक्टर और एसपी कार्यालय पहुंचे। उन्होंने फतेहपुर चौराहा के पास घरों से सटकर खोली जा रही शराब दुकान का विरोध किया रहवासियों का कहना है कि इससे क्षेत्र का माहौल खराब होगा, महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा खतरे में पड़ेगी और असामाजिक तत्वों की आवाजाही बढ़ेगी। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि दुकान नहीं हटाई गई तो उग्र आंदोलन किया जाएगा। इसी जनसुनवाई में ग्राम सेमरी के ग्रामीणों ने सरपंच कृष्णा गुर्जर (पत्नी रविंद्र गुर्जर) के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। ग्रामीणों का आरोप है कि विधायक निधि से स्वीकृत हैंडपंप को सार्वजनिक स्थान पर लगाने के बजाय सरपंच ने अपनी निजी जमीन में लगवा लिया है। इससे जाटव और आदिवासी मोहल्ले के लोगों को आज भी दूर से पानी लाना पड़ रहा है। पति, सास-ससुर पर लगाया मारपीट का आरोप ख्यावदा निवासी बहादुर परिहार ने अपनी बेटी मिथलेश परिहार के साथ हुई गंभीर मारपीट का मामला उठाया। उन्होंने आरोप लगाया कि दामाद चरत परिहार, सास कमला परिहार और ससुर चंदन परिहार ने नशे की हालत में उनकी बेटी के साथ बेरहमी से मारपीट की, जिससे उसे गंभीर चोटें आईं। परिहार ने बताया कि पुलिस द्वारा अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। वहीं, शिवपुरी निवासी एकता खत्री ने अपने पति विकास खत्री के खिलाफ दहेज प्रताड़ना, मारपीट और घर से निकालने की शिकायत की। उन्होंने बताया कि पति द्वारा लगातार प्रताड़ित किए जाने के कारण वह बच्चों के साथ किराए के मकान में रहने को मजबूर हैं और उनके पास भरण-पोषण का कोई साधन नहीं है। जनसुनवाई में उपस्थित अधिकारियों ने सभी शिकायतों को गंभीरता से सुना। उन्होंने संबंधित विभागों को जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं।

गौशाला में छिपा रखी थीं चोरी की करैरा पुलिस ने 4 बाइक बरामद कर आरोपी को पकड़ा

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। करैरा में पुलिस ने चोरी की चार बाइकें बरामद की हैं। इन बाइकों को एक गौशाला के कमरे में छिपाकर रखा गया था। पुलिस ने इस मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है, जबकि उसका एक साथी फरार है करैरा थाना प्रभारी विनोद छावई ने बताया कि 30 मार्च 2026 को करैरा निवासी अजय कुमार गुप्ता ने अपनी बाइक चोरी होने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उनकी बाइक 29 मार्च को दुकान के बाहर से चोरी हुई थी। इस संबंध में अपराध क्रमांक 218/26 धारा 303(2) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई थी पुलिस अधीक्षक अमन सिंह राठौड़ के निर्देश पर चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली। सूचना के अनुसार, एक युवक गणेश मंदिर वीआईपी मार्ग के पास चोरी की बाइक बेचने की फिराक में खड़ा था। पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंची। पुलिस को देखकर आरोपी भागने लगा, लेकिन घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया गया। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम नीतेश उर्फ चीनी माहौर (29) निवासी दीनदयाल नगर करैरा बताया। उसने बाइक चोरी करना स्वीकार किया और उसके कब्जे से एक सीडी डीलक्स बाइक बरामद की गई। आगे की पूछताछ में नीतेश ने खुलासा किया कि उसने अपने साथी मस्ते रावत निवासी चितावनी डबरा के साथ मिलकर बाइक चोरी की थी। उसने बताया कि चोरी की गई तीन अन्य बाइकें दिहायला गांव स्थित एक गौशाला के कमरे में छिपाकर रखी गई थीं।

नक्सलियों का छिपाया 14 करोड़ का माल मिला डेडलाइन के आखिरी दिन 34 नक्सलियों का सरेंडर

मीडिया ऑडीटर, बीजापुर (निप्र)। बीजापुर में 25 नक्सलियों ने सरेंडर किया है। इनके कब्जे से 14 करोड़ का डंप बरामद हुआ है। - बीजापुर में 25 नक्सलियों ने सरेंडर किया है। इनके कब्जे से 14 करोड़ का डंप बरामद हुआ है। छत्तीसगढ़ में नक्सली खात्मे की डेडलाइन (31 मार्च) को नक्सलियों का छिपाया हुआ 14 करोड़ का माल मिला है। बीजापुर में 25 नक्सलियों ने सरेंडर किया है। इनसे मिले इनपुट के बाद ही 3 करोड़ कैश और 7 किलो गोल्ड बरामद हुआ। इसे अब तक का सबसे बड़ा डंप माना जा रहा है इसी तरह 4 जिलों में 34 नक्सलियों ने हथियार डाले हैं। इसमें दंतेवाड़ा में 5, सुकमा में 2 और कांकेर में 2 नक्सली शामिल है। पुलिस ने दंतेवाड़ा जिले को नक्सल मुक्त होने का दावा किया है। वहीं, कांकेर में अब भी 14 नक्सली सक्रिय है, पुलिस इनसे संपर्क की कोशिश कर रही है बीजापुर में 25 नक्सलियों को संविधान की कॉपी दी गई बीजापुर में 25 नक्सलियों को संविधान की कॉपी दी गई नक्सलियों के कब्जे से 3 करोड़ कैश और 7 किलो सोना मिला। नक्सलियों के कब्जे से 3 करोड़ कैश और 7 किलो सोना मिलों मिले 14 करोड़ के नक्सली डंप को अब तक का सबसे बड़ा डंप माना जा रहा है बीजापुर में मिले 14 करोड़ के नक्सली डंप को अब तक का सबसे बड़ा डंप माना जा रहा है दंतेवाड़ा, सुकमा और कांकेर में नक्सलियों ने किया सरेंडर। दंतेवाड़ा सुकमा और कांकेर में नक्सलियों ने किया सरेंडर 25 नक्सली, 93 हथियार और 1.47 करोड़ का इनाम बीजापुर में दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी (छ्ष्यस्ं्ग्ट) के 25 नक्सलियों ने 93 हथियारों के साथ सरेंडर किया है। इसमें 12 महिला माओवादी कैडर शामिल हैं।

राशन न मिलने पर महिलाओं का कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन सेल्समैन पर अभद्रता और वितरण न करने का आरोप

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। शिवपुरी शहर के वार्ड क्रमांक 30 और 32 की महिलाओं ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट पहुंचकर राशन न मिलने की शिकायत दर्ज कराई। पार्षद कमलकिशन शाक्य के नेतृत्व में पहुंचीं महिलाओं ने प्रशासन से जल्द राशन वितरण की मांग की है। पार्षद कमलकिशन शाक्य ने आरोप लगाया कि पिछले लगभग एक साल से वार्ड के लोगों को राशन के लिए परेशान किया जा रहा है। पहले वार्ड 30 के उपभोक्ताओं को वार्ड 32 की राशन दुकान से खाद्यान्न मिलता था। पार्षद के अनुसार, दुकान पर महीने में केवल तीन दिन ही राशन वितरण होता है, जिससे मजदूरी करने वाले कई परिवारों को समय पर खाद्यान्न नहीं मिल पा रहा है। गबन उजागर होने के बाद बदली व्यवस्था यह व्यवस्था वार्ड 32 की राशन दुकान पर लगभग 250 क्विंटल अनाज के गबन का मामला सामने आने के बाद बदली गई थी। घोटाले के बाद प्रशासन ने दुकान बंद कर दी थी और वार्ड 30 तथा 32 के हितग्राहियों को वार्ड 34 की दुकान से राशन लेने के निर्देश दिए गए थे पार्षद का आरोप-राशन नहीं दिया जा रहा हालांकि, पार्षद कमलकिशन शाक्य का आरोप है कि वार्ड 34 की राशन दुकान के सेल्समैन सुनील राठौर द्वारा वार्ड 30 और 32 के लोगों को राशन नहीं दिया जा रहा है। इसके अतिरिक्त, सेल्समैन पर महिलाओं के साथ अभद्र व्यवहार करने की शिकायतें भी सामने आई हैं। पार्षद ने इस संबंध में तहसीलदार से भी चर्चा की थी, जिन्होंने सोमवार से राशन वितरण शुरू कराने का आश्वासन दिया था। लेकिन तय दिन पर भी राशन वितरण शुरू नहीं हुआ, जिसके बाद नाराज होकर महिलाएं और उनके परिवारजन कलेक्ट्रेट पहुंचे। प्रदर्शन में शामिल महिलाओं ने आरोप लगाया कि वार्ड 34 की दुकान से राशन मांगने पर सेल्समैन सुनील राठौर ने उनके राशन कार्ड फेंक दिए और उनके साथ दुर्व्यवहार किया। पार्षद कमलकिशन शाक्य ने कहा कि जिन लोगों ने घोटाला किया है, उन पर कार्रवाई होनी चाहिए, लेकिन इसका खामियाजा गरीब परिवारों को नहीं भुगतना चाहिए। उन्होंने सभी पात्र हितग्राहियों को जल्द से जल्द राशन उपलब्ध कराने की मांग की है।

ट्रक ने हेडमास्टर को रौंदा, महिला को बचाने की कोशिश में फल खरीद रहे लोगों को कुचला

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। छत्तीसगढ़ के बस्तर जिले के भानपुरी में तेज रफ्तार ट्रक ने फल खरीद रहे हेडमास्टर को रौंद दिया। हादसे में हेडमास्टर का शरीर 3 टुकड़ों में बंट गया, जबकि 4 लोग घायल हैं। हादसा सोमवार देर रात हुआ। फिलहाल, पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। मामला भानपुरी थाना क्षेत्र का है दरअसल, भानपुरी मुख्य चौक में सोमवार रात साप्ताहिक बाजार के चलते भीड़भाड़ थी। इसी दौरान लोहंडीगुड़ा की ओर से आ रहा एक तेज रफ्तार ट्रक महिला को बचाने के चक्कर में अनियंत्रित हो गया। ट्रक ने सड़क किनारे फल खरीद रहे लोगों को अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में भानपुरी निवासी मुंडागांव स्कूल के हेड मास्टर जीवराखन कोसमा (61) की मौके पर ही मौत हो गई। स्थानीय लोगों के अनुसार, ट्रक ड्राइवर ने सड़क पार कर रही एक महिला को बचाने की कोशिश की, जिससे वाहन अनियंत्रित हो गया और फल दुकानों के पास खड़े लोगों को कुचलते हुए सड़क किनारे जा घुसा। इस हादसे में 4 लोग घायल हुए हैं, जिन्हें तत्काल भानपुरी सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया। घायलों का इलाज जारी है। हादसे के बाद स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश देखने को मिला। सूचना मिलते ही भानपुरी पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को संभाला। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है।

NDPS कांड में बड़ा विस्फोट...

IG के एक्शन के बाद SP का कड़ा प्रहार विकास कपिश, रामयश रावत और सुजीत शर्मा निलंबित

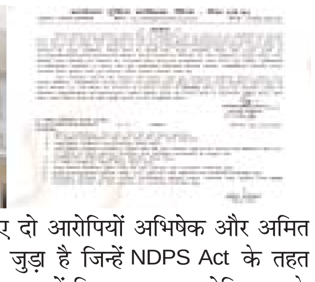

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। बहुचर्चित NDPS कांड में आखिरकार वह दिन आ गया जिसका इंतजार पूरे जिले को था। रीवा रेंज के आईजी गौरव राजपूत के सख्त तेवर और तेज जांच के बाद पुलिस अधीक्षक शैलेन्द्र सिंह ने बड़ा एक्शन लेते हुए सेमरिया थाना प्रभारी विकास कपिश, रामयश रावत और सुजीत शर्मा को निलंबित कर दिया है। इस कार्रवाई ने पुलिस महकमे में भूचाल ला दिया है और इसे मामले में चल रहे कथित सेटिंग के खेल पर सबसे बड़ी चोट माना जा रहा है। मामला सतना जिले के कोटर थाना क्षेत्र के अबेर गांव से पकड़े गए दो आरोपियों अभिषेक और अमित से जुड़ा है जिन्हें NDPS Act के तहत हिरासत में लिया गया था। लेकिन इसके बाद जो कुछ हुआ उसने पूरे पुलिस सिस्टम पर सवाल खड़े कर दिए। आरोप है कि आरोपियों को सेमरिया थाना लाने के बाद नियमानुसार कार्रवाई करने के बजाय करीब 6 घंटे तक निरीक्षक कक्ष में बैठाकर रखा गया और बाद में संदिग्ध परिस्थितियों में छोड़ दिया गया। सूत्रों के मुताबिक यह पूरी कार्रवाई सेमरिया थाना प्रभारी के मौखिक निर्देश पर की गई। पुलिस टीम आरोपियों को लेकर तो आई लेकिन थाने में केस दर्ज करने या कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बजाय उन्हें सीधे निरीक्षक कक्ष में बैठा दिया गया। इस दौरान थाना प्रभारी जो उस समय रीवा में निजी कार्य से मौजूद थे लगातार फोन के माध्यम से निर्देश देते रहे। मामले का सबसे सनसनीखेज पहलू तब सामने आया जब जांच में निजी निवास कनेक्शन की बात भी उजागर हुई। चर्चा है कि आरोपियों को थाने से हटाकर निरीक्षक के सेमरिया स्थित निजी निवास तक ले जाया गया जहां पूरे मामले पर बातचीत के बाद निर्णय लिया गया। हालांकि इस तथ्य की आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है लेकिन जांच एजेंसियों ने इसे गंभीरता से लिया है। जैसे ही मामला उजागर हुआ आईजी गौरव राजपूत ने बिना देरी किए सख्त रुख अपनाया और जांच को गति दी। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा था कि NDPS जैसे संवेदनशील मामलों में किसी भी प्रकार की लापरवाही या लीपापोती बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उनके इस बयान के बाद ही पुलिस विभाग में हलचल तेज हो गई थी। जांच के दौरान कई अहम तथ्य सामने आए जिनमें लापरवाही के साथ-साथ कथित सांठगांठ के संकेत भी मिले। इसके बाद पुलिस अधीक्षक शैलेन्द्र सिंह ने संबंधित अधिकारियों से जवाब तलब किया। जब संतोषजनक जवाब नहीं मिला तो तत्काल प्रभाव से थाना प्रभारी विकास कपिश, रामयश रावत और सुजीत शर्मा को निलंबित कर दिया गया। एसपी ने साफ कर दिया है कि NDPS Act जैसे गंभीर मामलों में किसी भी स्तर पर गड़बड़ी को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने यह भी संकेत दिए हैं कि यदि जांच में और नाम सामने आते हैं तो कार्रवाई का दायरा और बढ़ाया जाएगा। गौरतलब है कि सेमरिया थाना पहले भी विवादों में घिर चुका है और स्थानीय स्तर पर कई बार पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठे हैं। ऐसे में इस कार्रवाई को विभाग की छवि सुधारने और पारदर्शिता लाने की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है। इस घटना के बाद पूरे जिले के थानों में अलर्ट जारी कर दिया गया है। पुराने मामलों की समीक्षा शुरू हो चुकी है और अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए गए हैं कि किसी भी प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर तुरंत कड़ी कार्रवाई की जाए। स्थानीय जनता में इस कार्रवाई को लेकर मिश्रित प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है। जहां एक ओर लोग इसे न्याय की दिशा में बड़ा कदम मान रहे हैं वहीं दूसरी ओर अब उनकी नजर इस बात पर है कि क्या आगे भी इसी तरह की सख्ती लगातार बनी रहेगी या नहीं। फिलहाल NDPS कांड ने यह साफ कर दिया है कि पुलिस सिस्टम के भीतर चल रही खामियों को अब नजरअंदाज नहीं किया जाएगा। आईजी से लेकर एसपी तक के एक्शन ने यह संदेश दे दिया है कि सेटिंग का खेल अब ज्यादा दिन NDPS कांड में बड़ा विस्फोट!

खरगोन में आंधी-अलर्ट के बीच 15 मिनट ओलावृष्टि, चना के बराबर ओले गिरे

मीडिया ऑडीटर, खरगोन (निप्र)। खरगोन जिले में आंधी और अलर्ट के बीच झिरनिया क्षेत्र में सोमवार को 15 मिनट तक तेज बारिश हुई। इस दौरान चने और बेर के आकार के ओले गिरे। झिरन्या, गोराडिया, खोई, अपरवेदा और नेमित जैसे कई क्षेत्रों में दोपहर बाद मौसम में अचानक बदलाव देखा गया। शाम 4:15 बजे के आसपास इन इलाकों में अचानक तेज बारिश शुरू हुई, जो लगभग 15 मिनट तक जारी रही। ओलावृष्टि से फसलों को नुकसान की आशंका है। भीकनगांव के किसान अरविंद जायसवाल ने बताया कि देर से बोए गए गेहूं की कटाई का अंतिम दौर चल रहा है, और इस बारिश से गेहूं की चमक फीकी पड़ सकती है।

2 अप्रैल तक खराब मौसम का अलर्ट: मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, अरब सागर और बंगाल की खाड़ी से आ रही नमी, वेस्टर्न डिस्टरबेंस और साइक्लोनिक सर्कुलेशन के कारण ओलावृष्टि और बारिश की स्थिति बनी है। जिले में 2 अप्रैल तक ऐसा ही मौसम बने रहने का अनुमान है। मौसम में आए इस बदलाव के कारण पिछले 24 घंटों में तापमान में 1 डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई है। सोमवार को जिले का तापमान 38 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

मौसम वैज्ञानिक बोले- अगले 24 घंटे में आंधी-बारिश की संभावना

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम में सोमवार रात को मौसम ने अचानक करवट ले ली है। तेज हवा, आंधी का दौर चला। करीब एक घंटे से ज्यादा समय तक तेज हवा चली। नर्मदा नदी में भी ऊंची ऊंची लहरें उठी। मौसम बदलने से गर्मी से लोगों को थोड़ी राहत मिली। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि टर्फ और साइक्लोनिक सर्कुलेशन के सक्रिय होने से यह बदलाव आया है। 2,3 अप्रैल तक प्रदेश में ऐसे ही दो सिस्टम सक्रिय रहेंगे, जिससे मौसम का मिजाज लगातार बदलता रहेगा। इके बाद फिर तेज गर्मी का दौर रहेगा।23 मार्च के बाद से झुलसाने वाली तीखी धूप पड़ रही है। जिससे सोमवार को अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया। मौसम विभाग के अनुसार मंगलवार को भी मिला-जुला मौसम रहेगा। अगले 24 घंटे में गरज-चमक, आंधी और बारिश का अलर्ट जारी किया है। हालांकि मंगलवार को सुबह से मौसम साफ है, धूप निकली हुई है।देश में नर्मदापुरम का सबसे अधिक तापमान रहाप्रदेश के टॉप 5 गर्म शहरों में नर्मदापुरम पिछले एक सप्ताह से शामिल है। 26 मार्च को नर्मदापुरम प्रदेश में सबसे अधिक गर्म रहा था। दिन के साथ ही रात में भी तापमान 21 से 24 डिग्री तक पहुंच रहा है। पिछले पांच दिनों में नर्मदापुरम और पचमढ़ी के तापमान में उतार-चढ़ाव देखने को मिला। 26 मार्च को नर्मदापुरम का तापमान 41.6 डिग्री और पचमढ़ी का 32.4 डिग्री दर्ज किया गया। 27 मार्च को नर्मदापुरम में तापमान घटकर 40.0 डिग्री रहा, जबकि पचमढ़ी में यह 32.4 डिग्री पर स्थिर रहा।

खाद्य सुरक्षा प्रशासन की सख्त कार्रवाई - डेयरी व जूस सेंटर से नमूने लिएए दिए सुधार के निर्देश

मीडिया ऑडीटर, विदिशा (निप्र)। विदिशा जिले में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए खाद्य सुरक्षा प्रशासन द्वारा लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। कलेक्टर अंशुल गुप्ता के निर्देशानुसार प्राप्त शिकायतों पर त्वरित जांच करते हुए संबंधित प्रतिष्ठानों पर निरीक्षण किया गया। माधवगंज स्थित श्याम डेयरी के पनीर की गुणवत्ता को लेकर शिकायत प्राप्त होने पर खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने मौके पर पहुंचकर कार्रवाई की। निरीक्षण के दौरान डेयरी से पनीरए मावाए घी एवं दही के नमूने विधिवत एकत्रित किए गए। साथ ही डेयरी संचालक को खाद्य सामग्री को ढंककर रखनेए हाथों में दस्ताने पहनने तथा स्वच्छता बनाए रखते हुए खाद्य सामग्री का विक्रय करने के स्पष्ट निर्देश दिए गए। इसी क्रम में जिला अस्पताल विदिशा के सामने स्थित भैरो टी स्टाल के गन्ने के जूस को लेकर भी शिकायत मिली थी। इस पर त्वरित कार्रवाई करते हुए खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा जूस का नमूना लिया गया। संचालक को गन्ने को अच्छी तरह साफ करके जूस निकालने एवं साफ.सफाई का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए गए। अधिकारियों ने बताया कि एकत्रित सभी नमूनों को राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भेजा जाएगा। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद यदि खाद्य सामग्री अवमानक या असुरक्षित पाई जाती हैए तो संबंधित संचालकों के विरुद्ध खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी।

जनगणना से जुड़े कार्य की व्यवहारिक जानकारी प्रदान करने फील्ड ट्रेनर्स को दिया गया प्रशिक्षण

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। जनगणना 2027 की तैयारियों के अंतर्गत जिले में संचालित फील्ड ट्रेनर्स के प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत द्वितीय बैच के तीसरे दिन का प्रशिक्षण सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। प्रशिक्षण के दौरान फील्ड ट्रेनर्स को व्यवहारिक अनुभव प्रदान करने के उद्देश्य से फील्ड विजिट कराई गई, जिससे उन्हें जमीनी स्तर पर कार्य की वास्तविक परिस्थितियों से अवगत कराया जा सके। इसके साथ ही प्रशिक्षण सत्र को अधिक प्रभावी एवं सहभागितापूर्ण बनाने के लिए रोल प्ले, क्विज प्रतियोगिता तथा फीडबैक फॉर्म भरवाए गए। जिला प्रभारी जनगणना सुश्री आयुषी यादव, मास्टर ट्रेनर पंकज दुबे ने प्रशिक्षण प्रदान किया। इन गतिविधियों के माध्यम से फील्ड ट्रेनर्स को जनगणना कार्य से संबंधित विभिन्न बिंदुओं पर व्यावहारिक जानकारी प्रदान की गई। प्रशिक्षण के माध्यम से फील्ड स्तर पर कार्य की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के साथ आने वाली चुनौतियों के समाधान के लिए ट्रेनर्स को सक्षम बनाने के उद्देश्य से प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि जनगणना 2027 के सफल संचालन हेतु जिले में चरणबद्ध रूप से प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, जिसके तहत पूर्व में भी 24 मार्च से 26 मार्च तक 27 फील्ड ट्रेनर को प्रशिक्षण प्रदान किया जा चुका है।

मध्यप्रदेश पुलिस में आरक्षक (बैंड) के 679 पदों पर भर्ती हेतु आवेदन आमंत्रित

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (निप्र)। मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा पुलिस बैंड के अंतर्गत आरक्षक (बैंड) के कुल 679 पदों पर सीधी भर्ती वर्ष 2026 हेतु आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। यह भर्ती प्रक्रिया विशेष रूप से पुरुष अभ्यर्थियों के लिए आयोजित की जा रही है।

इन पदों पर नियुक्ति हेतु इच्छुक एवं पात्र अभ्यर्थी दिनांक 05 अप्रैल 2026 से 19 अप्रैल 2026 तक एमपी ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से अपने आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं। अभ्यर्थियों को आवेदन हेतु एमपी ऑनलाइन की अधिकृत वेबसाइट पर जाकर निर्धारित प्रक्रिया का पालन करना होगा। इस संबंध में विस्तृत जानकारी मध्यप्रदेश पुलिस की आधिकारिक वेबसाइट पर भी उपलब्ध है, जहाँ भर्ती से संबंधित नियम, पात्रता, चयन प्रक्रिया एवं अन्य आवश्यक निर्देश देखे जा सकते हैं।

सड़क किनारे खड़े दंपती घायल, चालक मौके से फरार

मीडिया ऑडीटर, सिवनी (निप्र)। सिवनी जिले के घंसौर थाना क्षेत्र अंतर्गत पहाड़ी ग्राम में सोमवार, 30 मार्च की रात एक सड़क हादसे में एक दंपती गंभीर रूप से घायल हो गए। अज्ञात वाहन ने सड़क किनारे खड़ी उनकी बाइक को टक्कर मार दी। वहीं चालक मौके से फरार हो गया।

जानकारी के अनुसार, राहुल विश्वकर्मा (40 वर्ष) अपनी पत्नी आरती विश्वकर्मा (35 वर्ष) के साथ अपनी बाइब के पास खड़े थे। तभी एक तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, टक्कर इतनी भीषण थी कि पति-पत्नी उछलकर सड़क पर गिर पड़े और उन्हें गंभीर चोटें आईं। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। आसपास मौजूद लोगों ने तत्परता दिखाते हुए तुरंत 108 एंबुलेंस को सूचना दी।

एंबुलेंस मौके पर पहुंची और घायलों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र घंसौर ले जाया गया। चिकित्सकों के अनुसार, दोनों की हालत गंभीर बनी हुई है और उनका उपचार जारी है। हादसे के बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गया।घटना की सूचना मिलते ही घंसौर पुलिस भी मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। पुलिस ने अज्ञात वाहन के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

वाहन चालक की तलाश जारी

घंसौर थाना प्रभारी लक्ष्मण सिंह झारिया ने बताया कि सड़क दुर्घटना में दंपती के घायल होने की सूचना मिली थी। पुलिस द्वारा मामले की जांच की जा रही है और फरार वाहन चालक की तलाश के प्रयास किए जा रहे हैं।

पुलिस मुख्यालय में भावभीनी विदाई, 9 सेवानिवृत्त कर्मचारियों को सम्मान; डीजीपी ने दिया स्मृति चिन्ह

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (निप्र)। मध्यप्रदेश पुलिस मुख्यालय में मंगलवार को भावनात्मक माहौल के बीच मार्च माह में सेवानिवृत्त हुए नौ कर्मचारियों को गरिमामय विदाई दी गई। नवीन पुलिस मुख्यालय भवन के कॉन्फ्रेंस हॉल में आयोजित इस समारोह में पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा ने सभी सेवानिवृत्त कर्मचारियों को स्मृति चिन्ह एवं पौधे भेंट कर उनके उज्ज्वल स्वस्थ और सुखद भविष्य की कामना की। समारोह में सेवानिवृत्त कर्मचारियों के वर्षों के समर्पण अनुशासन और सेवा भावना को याद करते हुए उन्हें विभाग का महत्वपूर्ण स्तंभ बताया गया। इस अवसर पर उन्हें उनके लंबित स्वत्व (क्लेम) भुगतान के आदेश भी प्रदान किए गए जिससे उनके सेवा काल का समापन सम्मानजनक और संतोषजनक रूप से सुनिश्चित किया जा सके।

कार्यक्रम में पुलिस मुख्यालय की विभिन्न शाखाओं से सेवानिवृत्त हुए कर्मचारियों को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। इनमें मानसेवी उप पुलिस अधीक्षक विशेष शाखा रामनिवास यादव कार्यवाहक सहायक अधीक्षक प्रशासन शाखा दिनेश पाटिल कार्यवाहक सूबेदार (एम) एससीआरबी चंद्रप्रकाश शर्मा कार्यवाहक सूबेदार (एम) शिकायत शाखा महेश जयसिंघानी कार्यवाहक आंकिक/सूबेदार (एम) प्रबंध शाखा प्रकाश तोलानी सहायक उप निरीक्षक महिला सुरक्षा शाखा विजय सिंह ठाकुर, कार्यवाहक सहायक उप निरीक्षक विशेष शाखा शोभा शर्मा प्रधान आरक्षक एससीआरबी गणपत राव शिंदे तथा कार्यवाहक प्रधान आरक्षक अजाक शाखा शिवशंकर भदौरिया शामिल रहे।

तेज रफ्तार बाइक की टक्कर से दो सगे भाई घायल

मीडिया ऑडीटर, मंदसौर (निप्र)। मंदसौर जिले के दलोदा थाना क्षेत्र अंतर्गत आक्या गांव के पास सोमवार देर रात एक सड़क दुर्घटना में दो सगे भाई घायल हो गए। दोनों भाई मोटरसाइकिल से अपने गांव लौट रहे थे, तभी पीछे से आए एक तेज़ रफ़्तार अज्ञात बाइक सवार ने जोरदार टक्कर मार दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, सुठी निवासी 61 वर्षीय मोहन सिंह पिता राघो सिंह अपने 64 वर्षीय भाई कालू सिंह पिता राघो सिंह राजपूत के साथ स्प्लेंडर प्रो मोटरसाइकिल पर सवार होकर जावरा से अपने गांव सुठी लौट रहे थे। इसी दौरान आक्या के पास पीछे से आ रही एक तेज रफ्तार अज्ञात मोटरसाइकिल ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी।

दोनों भाई जिला अस्पताल में भर्ती: हादसा इतना जबरदस्त था कि दोनों भाई सड़क पर गिरकर घायल हो गए। घटना के बाद स्थानीय लोगों की मदद से दोनों को तत्काल जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका उपचार जारी है।

सागर में घर से पकड़ाया 5 फीट लंबा कोबरा दीवार के बिल में छिपा था

2 घंटे की खुदाई के बाद पकड़ाया

मीडिया ऑडीटर, सागर (निप्र)। सागर जिले के सानौधा गांव में एक मकान में कोबरा सांप घुस जाने से हड़कंप मच गया। सांप दीवार में बने बिल में छिपा बैठा था। फुफकारने की आवाज सुनकर परिवार के लोगों को इसका पता चला, जिसके बाद घर में दहशत फैल गई।

स्नेक कैचर को दी गई सूचना: घटना की जानकारी मिलते ही लोगों ने तुरंत स्नेक कैचर बबलू पवार को बुलाया। सूचना मिलते ही वे मौके पर पहुंचे और सांप को पकड़ने का रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। बताया गया कि कच्चे मकान की दीवार में एक बिल था, जिसमें कोबरा घुस गया था। सांप मकान के पीछे वाले कमरे में छिपा हुआ था और बाहर नहीं आ रहा था।

दीवार की खुदाई कर निकाला बाहर: स्नेक कैचर ने पहले सांप को बाहर निकालने की कोशिश की, लेकिन जब वह नहीं निकला तो दीवार के बिल की खुदाई कराई गई। करीब 2 घंटे की कड़ी मेहनत के बाद सांप को बाहर निकाला गया। जैसे ही सांप को बाहर निकाला गया, उसने गुस्से में जोरदार फुफकार मारी। डर गए। हालांकि स्नेक कैचर ने उसे नियंत्रित कर सुरक्षित पकड़ लिया।

8 किलो वजनी और 5 फीट लंबा कोबरा

स्नेक कैचर बबलू पवार के अनुसार, पकड़ा गया सांप कोबरा प्रजाति का है, जो करीब 5 फीट लंबा और लगभग 8 किलोग्राम वजनी है। यह काफी पुराना और बेहद जहरीला सांप है। गनीमत रही कि इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई। क्योंकि कोबरा के काटने पर समय पर इलाज न मिलने से जान भी जा सकती है।द्य रेस्क्यू के बाद पकड़े गए सांप को सुरक्षित जंगल में छोड़ दिया जाएगा, ताकि वह अपने प्राकृतिक वातावरण में वापस जा सके। 28 मार्च को नर्मदापुरम में तापमान और गिरकर 38.5 डिग्री पहुंचा, वहीं पचमढ़ी में 31.6 डिग्री दर्ज किया गया।

ट्रैक्टर ने बाईक सवार मां-बेटे को मारी टक्कर, बेटे की-मौत मां काफी देर तक सड़क पर ही पड़े रही

ट्रैक्टर चालक मौके से फरार

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर (निप्र)। छतरपुर जिले के राजनगर थाना क्षेत्र में सोमवार देर शाम एक सड़क हादसे में 45 वर्षीय मिलन पटेल की मौत हो गई। उनकी मां हीराबाई (60) गंभीर रूप से घायल हो गईं। यह घटना ग्राम भुस्का के पास हुई, जब तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी।

जानकारी के अनुसार, खजुराहो निवासी मिलन पटेल अपनी मां हीराबाई के साथ ग्राम बगाई से वापस लौट रहे थे। भुस्का गांव के पास सामने से आ रहे एक ट्रैक्टर ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि मां-बेटे दोनों सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद ट्रैक्टर चालक मौके से फरार हो गया।

काफी देर तक सड़क पर पड़ी रही मासूम: घायल काफी देर तक सड़क पर ही पड़े रहे। इसी दौरान राजनगर से लौट रही 108 एंबुलेंस की नजर उन पर पड़ी। एंबुलेंस स्टाफ ने तत्काल दोनों को जिला अस्पताल पहुंचाया। इमरजेंसी में ड्यूटी पर मौजूद डॉक्टर अभय सिंह ने मिलन पटेल को मृत घोषित कर दिया। हीराबाई की हालत गंभीर होने के कारण उन्हें ट्रॉमा वार्ड में भर्ती कर इलाज शुरू किया गया है।

मौके से गुजर रहे परिजन मनोज पटेल ने भी एंबुलेंस के साथ अस्पताल पहुंचे। उन्होंने परिवार के अन्य सदस्यों को घटना की सूचना दी। मनोज के मुताबिक, मृतक मिलन पटेल के एक बेटा और एक बेटी हैं। वह खेती-किसानी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करते थे।

ट्रैक्टर चालक की तलाश जारी: पुलिस ने मिलन पटेल के शव को पोस्टमार्टम के लिए मर्चुरी में रखवा दिया है। मंगलवार को पंचनामा कार्रवाई के बाद शव परिजनों को सौंपा जाएगा। राजनगर पुलिस फरार ट्रैक्टर चालक की तलाश कर रही है।

रायसेन में बिजली गिरने से 3 एकड़ फसल जलकर खाक

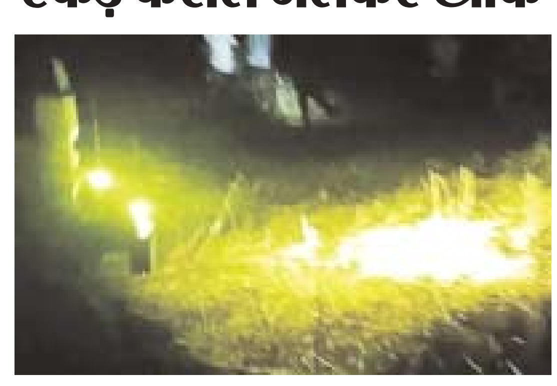

मीडिया ऑडीटर, रायसेन (निप्र)। रायसेन जिले के अंबाडी गांव में सोमवार देर शाम आकाशीय बिजली गिरने से एक किसान के खेत में भीषण आग लग गई। इस घटना में किसान बारेलाल की करीब तीन एकड़ गेहूं की फसल जलकर खाक हो गई, जिससे उन्हें भारी आर्थिक नुकसान हुआ है। शाम करीब 5 बजे मौसम में अचानक बदलाव आया। तेज हवा, बादलों की गरज-चमक और हल्की बूंदाबांदी के बीच खेत में आकाशीय बिजली गिरी, जिससे सूखी फसल ने तुरंत आग पकड़ ली। आग तेजी से फैलने लगी।हालांकि, आसपास मौजूद किसानों ने तत्परता दिखाते हुए ट्रैक्टर चलाकर खेत की जुताई कर दी। इस प्रयास से आग को आगे फैलने से रोका जा सका और काफी हद तक काबू पा लिया गया। सोमवार को अचानक बदले मौसम ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। शहर सहित ग्रामीण क्षेत्रों में हल्की बूंदाबांदी और तेज हवाएं चलीं।

चेन्नई को IPL में दूसरी सबसे बड़ी हार

राजस्थान रॉयल्स ने बेहतरीन जीत से बनाए 3 बड़े रिकॉर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी। चेन्नई सुपर किंग्स को आईपीएल 2026 के अपने पहले मैच में ही राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ करारी शिकस्त झेलनी पड़ी है। इस हार के बाद राजस्थान ने जहां तीन खास रिकॉर्ड बनाए हैं। वहीं चेन्नई की बची हुई गेंदों के लिहाज से आईपीएल में यह दूसरी सबसे बड़ी हार हुई है। राजस्थान की टीम 128 रन का लक्ष्य 12.1 ओवर में यानी 47 गेंद शेष रहते ही हासिल किया। आरआर आईपीएल में 120 प्लस रन सबसे जल्दी चेज करने वाली चौथी टीम बन गई है।

चेन्नई सुपर किंग्स की दूसरी सबसे बड़ी हार- चेन्नई सुपर किंग्स की बात करें तो बची हुई गेंदों के लिहाज से इससे पहले आईपीएल 2025 में सीएसके 59 गेंद शेष रहते हुए हारी थी। पिछले सीजन केकेआर ने चेपॉक में चेन्नई को 59 गेंद शेष रहते हुए मात दी थी। अब राजस्थान रॉयल्स ने 47 गेंद शेष रहते हुए इस मामले में सीएसके को दूसरी सबसे बड़ी हार दी है।

क्या रहा मैच का हाल?

इस मैच की बात करें तो राजस्थान ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी थी। कप्तान रियान पराग ने सीएसके को पहले बल्लेबाजी का न्यौता दिया। पहले खेलते हुए सीएसके की टीम एक वक्त लग रहा था कि 100 रन तक भी नहीं पहुंच पाएगी। 82 रन पर 8 विकेट और 94 रन पर 9 विकेट थे। अंत में जेमी ओवरटन ने 36 गेंद पर 43 रन की उपयोगी पारी खेली और टीम को 127 रन तक पहुंचाई। राजस्थान के लिए गेंदबाजी में नांद्रे बर्गर, रविंद्र जडेजा और जोफ्रा आर्चर ने 2-2 विकेट लिए।

संदीप शर्मा , बृजेश शर्मा और रवि बिश्नोई को 1-1 विकेट लिया। इसके बाद बल्लेबाजी में वैभव सूर्यवंशी के 17 गेंद पर तूफानी 52 रन और यशस्वी जायसवाल के नाबाद 38 रन की बदौलत टीम ने 12.1 ओवर में 2 विकेट गंवाकर 8 विकेट से मैच जीता। आईपीएल 2026 के तीसरे मैच में राजस्थान रॉयल्स सीएसके को करारी शिकस्त देकर बेहतरीन रनरेट के साथ अंकतालिका में नंबर 1 पर पहुंच गई है। वहीं टॉप 5 बैटर्स में रोहित शर्मा, विराट कोहली, इशान किशन और अजिंक्य रहाणे भी मौजूद हैं।

राजस्थान नंबर 1

RCB और MI अंकतालिका में पीछे; टॉप 5 बल्लेबाजों में रोहित-विराट और इशान

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2026 के तीसरे मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स ने चेन्नई सुपर किंग्स को 8 विकेट से करारी शिकस्त देते हुए नंबर 1 पोजीशन कब्जा ली है। राजस्थान की इस जीत में खास बात यह रही कि उसने 12.1 ओवर में 128 रन का लक्ष्य चेज किया और अपना नेट रनरेट बेहतरीन कर लिया। अंकतालिका में आरसीबी दूसरे और मुंबई इंडियंस तीसरे स्थान पर है। वहीं टॉप 5 बल्लेबाजों में चार भारतीय हैं लेकिन नंबर 1 पर साउथ अफ्रीका का खिलाड़ी मौजूद है। टॉप 5 में रोहित शर्मा, विराट कोहली, इशान किशन और अजिंक्य रहाणे मौजूद हैं। अगर टॉप 5 गेंदबाजों की बात करें तो टॉप पर रोमारियो शेफर्ड हैं। वहीं तीसरे स्थान पर शार्दुल ठाकुर मौजूद हैं। इस लिस्ट में रविंद्र जडेजा टॉप 5 में नहीं हैं लेकिन छठे स्थान पर आ गए हैं।

वैभव सूर्यवंशी का 15 गेंद पर पचासा

IPL में तोड़ा अपना ही रिकॉर्ड; अभिषेक शर्मा-इशान किशन से निकले आगे

वैभव सूर्यवंशी का आईपीएल रिकॉर्ड

वैभव सूर्यवंशी ने अपने आईपीएल करियर का यह दूसरा अर्धशतक जड़ा। पिछले सीजन उन्होंने एक पचासा और एक शतक लगाया था। उनके नाम अब आठ आईपीएल मैचों में 304 रन दर्ज हो चुके हैं। उनका औसत 36 से ऊपर और स्ट्राइक रेट 218 से अधिक का है। उनका सर्वोच्च स्कोर 101 रन है। उनके नाम अभी तक आईपीएल में 29 छक्के और 22 चौके दर्ज हैं।

नई दिल्ली, एजेंसी। वैभव सूर्यवंशी ने आईपीएल 2026 का आगाज ठीक उसी तरह किया जिस अंदाज में पिछले सीजन शुरुआत की थी। आईपीएल 2025 में वैभव ने 17 गेंद पर पचासा और एक तूफानी शतक लगाया था। इस सीजन के पहले मैच में ही चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ 15 साल के इस खिलाड़ी ने 15 गेंद पर तूफानी पचासा ठोक दिया। लीग के इतिहास में यह संयुक्त रूप से तीसरा सबसे तेज अर्धशतक है।

उन्होंने अभिषेक शर्मा, इशान किशन, सुरेश रैना और ट्रेविस हेड को पीछे छोड़ा। वैभव सूर्यवंशी ने पिछले सीजन 7 पारियों में 252 रन बनाए थे। इस सीजन वैभव ने पहले मैच से दिखा दिया कि वह इस सीजन अपना पूरे साल वाला कमाल दिखाने के लिए तैयार हैं। वैभव का यह 8वां आईपीएल मैच ही था।

आईपीएल में सबसे तेज पचासा लगाने वाले खिलाड़ी

खिलाड़ी	गेंदें	मैच	स्थान	तिथि
यशस्वी जायसवाल	13	राजस्थान रॉयल्स बनाम कोलकाता नाइट राइडर्स	कोलकाता	11 मई 2023
केएल राहुल	14	किंग्स इलेवन पंजाब बनाम दिल्ली कैपिटल्स	मोहाली	08 अप्रैल 2018
पैट कमिंस	14	कोलकाता नाइट राइडर्स बनाम मुंबई इंडियंस	पुणे	06 अप्रैल 2022
रोमारियो शेफर्ड	14	रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु बनाम चेन्नई सुपर किंग्स	बेंगलुरु	03 मई 2025
वैभव सूर्यवंशी	15	राजस्थान रॉयल्स बनाम चेन्नई सुपर किंग्स	गुवाहाटी	30 मार्च 2026
यूसुफ पठान	15	कोलकाता नाइट राइडर्स बनाम सनराइजर्स हैदराबाद	कोलकाता	24 मई 2014
सुनील नरेन	15	कोलकाता नाइट राइडर्स बनाम रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर	बैंगलोर	07 मई 2017
निकोलस पूरन	15	लखनऊ सुपर जायंट्स बनाम रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर	बेंगलुरु	10 अप्रैल 2023
जेक फ्रेजर-मैकगर्क	15	दिल्ली कैपिटल्स बनाम सनराइजर्स हैदराबाद	दिल्ली	20 अप्रैल 2024
जेक फ्रेजर-मैकगर्क	15	दिल्ली कैपिटल्स बनाम मुंबई इंडियंस	दिल्ली	27 अप्रैल 2024
सुरेश रैना	16	चेन्नई सुपर किंग्स बनाम किंग्स इलेवन पंजाब	मुंबई	30 मई 2014
इशान किशन	16	मुंबई इंडियंस बनाम सनराइजर्स हैदराबाद	अबू धाबी	8 अक्टूबर 2021
अभिषेक शर्मा	16	सनराइजर्स हैदराबाद बनाम मुंबई इंडियंस	हैदराबाद	27 मार्च 2024
ट्रैविस हेड	16	सनराइजर्स हैदराबाद बनाम दिल्ली कैपिटल्स	दिल्ली	20 अप्रैल 2024

IPL में 1065 दिन बाद लौटे सरफराज खान, CSK के लिए नहीं दिखा पाए जादू; रविंद्र जडेजा ने पहले ओवर में ही कर दिया कमाल

नई दिल्ली, एजेंसी। सरफराज खान की आखिरकार आईपीएल 2026 में वापसी हुई। वह तीन साल बाद इस लीग में लौटे। उन्होंने आखिरी बार 2023 आईपीएल सीजन खेला था। उनका आखिरी मैच 29 अप्रैल 2023 को आईपीएल का था और वह तब दिल्ली कैपिटल्स का हिस्सा थे। अब 1065 दिन बाद 30 मार्च 2026 को वह चेन्नई सुपर किंग्स के लिए उतरे। उनका सीएसके के लिए डेब्यू कुछ खास नहीं रहा। वहीं रविंद्र जडेजा ने अपनी पुरानी टीम के खिलाफ पहले ओवर में ही जलवा दिखाया। सरफराज खान ने शुरुआत अच्छी की थी। उन्होंने 19 रन पर तीन विकेट के बाद भी सकारात्मक खेल दिखाया। आते ही उन्होंने नांद्रे बर्गर के ऊपर चौका और छक्का लगाया। सरफराज ने 12 गेंद पर 17 रन की पारी खेली। वह रविंद्र जडेजा के पहले ओवर में ही पवेलियन लौट गए। सरफराज खान का सीएसके के लिए डेब्यू खास नहीं रहा। शुरुआत उन्होंने अच्छी की थी लेकिन उसे बड़ी पारी में नहीं तब्दील कर पाए। वह सीएसके की स्टार्टिंग प्लेइंग 11 का हिस्सा नहीं थे लेकिन बतौर इम्पैक्ट प्लेयर वह मैदान पर उतरे। सरफराज ने अपनी पारी में 2 चौके और एक छक्का लगाया। यह उनके आईपीएल करियर का 51वां मैच है और 38 पारी में वह 602 रन बना पाए हैं।

आईपीएल 2026 में राजस्थान और सीएसके मैच के बाद अंकतालिका

- CSK के खिलाफ मैच में राजस्थान जीत का दावेदार', पूर्व भारतीय ओपनर ने किया दावा और बताया इसका कारण
- ममता बनर्जी के लिए नारे लगाकर वायरल हुई थीं राजन्या हलदर, अब क्यों बन गई अस्त्र की सबसे बड़ी बागी?
- OBC में मुस्लिमों के आरक्षण पर BJP सांसद ने उठाए सवाल, समझिए क्यों इस मुद्दे पर फिर शुरू हुआ विवाद

टीम	मैच	जीत	हार	अंक	नेट रन रेट
राजस्थान रॉयल्स	1	1	0	2	+4.171
आरसीबी	1	1	0	2	+2.907
मुंबई इंडियंस	1	1	0	2	+0.687
केकेआर	1	0	1	0	-0.687
हैदराबाद	1	0	1	0	-2.907
सीएसके	1	0	1	0	-4.171
दिल्ली कैपिटल्स	-	-	-	-	-
गुजरात टाइटंस	-	-	-	-	-
लखनऊ सुपर जायंट्स	-	-	-	-	- -
पंजाब किंग्स	-	-	-	-	-

वैभव सूर्यवंशी ने आईपीएल 2026 के पहले मैच में ही तूफानी पारी खेलकर कमाल कर दिया है। चेन्नई सुपर किंग्स के मैट हेनरी, खलील अहमद, नूर अहमद सभी वर्ल्ड क्लास गेंदबाजों को उन्होंने धोया और 15 गेंद पर पचासा ठोका।

संजू सैमसन का नहीं दिखा वर्ल्ड कप वाला जादू

सीएसके के लिए डेब्यू में फेल, नांद्रे बर्गर ने उड़ाया डंडा

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2026 में संजू सैमसन ने चेन्नई सुपर किंग्स के लिए अपना डेब्यू किया। अपनी पुरानी टीम राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ पीली जर्सी में उनका डेब्यू खास नहीं रहा। वह 7 गेंद खेलकर सिर्फ 6 रन बना पाए और नांद्रे बर्गर ने उन्हें क्लीन बोल्ड कर दिया। टी20 वर्ल्ड कप 2026 के प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट रहे संजू सैमसन का आईपीएल में आगाज अच्छा नहीं रहा है। संजू सैमसन शुरुआत से ही जोफ्रा आर्चर के पहले ओवर में बाल-बाल बचे थे। स्लिप नहीं थी और गेंद उनके बल्ले का बाहरी किनारा लेकर बाउंड्री के बाहर गई थी। उसके बाद दूसरे ओवर में नांद्रे बर्गर ने उन्हें क्लीन बोल्ड कर दिया। वह साउथ अफ्रीकी गेंदबाज की बाहर तरफ स्विंग होती गेंद को नहीं समझ पाए और उनका डंडा उड़ गया।

कौन हैं बृजेश शर्मा?

- **जम्मू-कश्मीर के 27 वर्षीय तेज गेंदबाज ने किया राजस्थान रॉयल्स के लिए IPL डेब्यू**

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2026 के तीसरे मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स का सामना चेन्नई सुपर किंग्स से हो रहा है। गुवाहाटी में यह मुकाबला खेला जा रहा है। इस मैच में राजस्थान के कप्तान रियान पराग ने टॉस जीता और पहले गेंदबाजी चुनी। रॉयल्स के लिए 27 साल के एक गेंदबाज ने अपना आईपीएल डेब्यू किया है। इस खिलाड़ी का नाम है बृजेश शर्मा जो दाएं हाथ के मीडियम पेसर हैं। उन्हें तुषार देशपांडे के आगे इस टीम ने पहले मैच में मौका दिया है।

कौन हैं बृजेश शर्मा?

बृजेश शर्मा जम्मू-कश्मीर से आते हैं। उनका जन्म 16 दिसंबर 1998 को उधमपुर में हुआ था। यह खिलाड़ी पहली बार आईपीएल में नजर आएगा। राजस्थान रॉयल्स ने उन्हें 30 लाख रुपये में अपने साथ ऑक्शन में जोड़ा था। बृजेश का घरेलू या लिस्ट ए क्रिकेट में विशेष आंकड़ा मौजूद नहीं है लेकिन बंगाल प्रो टी20 लीग से उन्होंने अपनी छाप छोड़ी। जम्मू-कश्मीर के बृजेश ने बंगाल प्रो टी20 लीग के 2025 के संस्करण से अपनी छाप छोड़ी। वह विकेट टेकर्स की लिस्ट में 11 विकेट के साथ पांचवें स्थान पर थे। उन्होंने 6 मैचों में 11 विकेट लिए थे और वहीं से वह नजर में आए। आईपीएल 2026 के ऑक्शन में राजस्थान रॉयल्स ने 30 लाख के बेस प्राइस पर इस खिलाड़ी को खरीदा। आज उन्हें तुषार देशपांडे से ऊपर टीम में मौका मिला है और वह डेब्यू कर रहे हैं।

राजस्थान ने इन 4 विदेशी खिलाड़ियों को दिया मौका

राजस्थान रॉयल्स के कप्तान रियान पराग ने इस मैच में टॉस जीता और अपनी प्लेइंग 11 की जानकारी दी। उनकी प्लेइंग 11 के चार विदेशी खिलाड़ियों के भी नाम बनाए। नांद्रे बर्गर, जोफ्रा आर्चर और शिमरोन हेटमायर के साथ डोनोवन फरेरा का भी नाम उन्होंने लिया। फरेरा हालांकि, स्टार्टिंग प्लेइंग 11 में नहीं थे लेकिन वह एक धाकड़ बल्लेबाज हैं, यानी वह बतौर इम्पैक्ट प्लेयर नजर आएंगे।

मरीयम नवाज को 'क्वीन' कहना नसीम शाह को पड़ा भारी

PCB ने लगाया पाकिस्तान क्रिकेट इतिहास का सबसे बड़ा जुर्माना

पीएसएल 2026 के दौरान मरियम नवाज पर किए गए एक ट्वीट ने नसीम शाह को मुश्किल में डाल दिया। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने इसे अनुशासनहीनता मानते हुए उन पर दो करोड़ पाकिस्तानी रुपये का भारी जुर्माना ठोका।

नई दिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान के तेज गेंदबाज नसीम शाह की एक सोशल मीडिया पोस्ट अब उनके लिए बड़ी मुसीबत बन गई है। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की मुख्यमंत्री मरियम नवाज को 'क्वीन' कहकर तंज कसना पाकिस्तानी तेज गेंदबाज को महंगा पड़ गया। इसके बाद पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने उन पर दो करोड़ पाकिस्तान रुपये (करीब 68 लाख भारतीय रुपये) का भारी भरकम जुर्माना लगाया है। यह विवाद तब शुरू हुआ जब पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) के उद्घाटन मैच के दौरान मरीयम नवाज की मौजूदगी पर नसीम ने सवाल उठाया। हालांकि, पीसीबी ने इसे अनुशासनहीनता और केंद्रीय अनुबंध का उल्लंघन मानते हुए सख्त कार्रवाई की।

ईएसपीएनक्रिकइंफो के अनुसार, पाकिस्तान क्रिकेट के इतिहास में यह अब तक का सबसे बड़ा जुर्माना है। यह नसीम शाह को पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड से मिलने वाली सालाना सैलरी का दो तिहाई हिस्सा है। मरियम नवाज ने लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में पाकिस्तान सुपर लीग के उद्घाटन समारोह में अन्य गणमान्य व्यक्तियों के साथ शिरकत की थी।

यह मामला तब चर्चा का विषय बन गया, जब पीसीबी प्रमुख मोहसिन नकवी ने घोषणा की थी कि पेट्रोलियम संकट के चलते पीएसएल के मैच बंद दरवाजों के पीछे और सिर्फ दो ही जगहों पर खेले जाएंगे। पीएसएल के मुकाबलों के पहले छह मैदान पर खेले जाने की योजना थी। कुछ ही मिनटों बाद नसीम ने एक ट्वीट किया जिसमें उन्होंने पंजाब की मुख्यमंत्री के बारे में व्यंग्य भरी टिप्पणियां कीं। नसीम शाह ने ऋ (पूर्व में ट्विटर) पर प्रतिक्रिया देते हुए पोस्ट किया, 'लॉर्ड्स में उनके साथ 'क्वीन' जैसा बर्ताव क्यों किया जा रहा है?' इस तेज गेंदबाज ने जल्द ही वह पोस्ट डिलीट कर दी और बाद में दावा किया कि उसका अकाउंट हैक हो गया था। पीसीबी ने कहा कि नसीम शाह ने कारण बताओ नोटिस का जवाब दिया था और अपने व्यवहार के लिए बिना शर्त माफी भी मांगी थी, लेकिन अनुशासन समिति ने उन्हें अनुशासनहीनता का दोषी पाया। पीसीबी ने कहा, 'नसीम के जवाब की समिति ने समीक्षा की और हर चीज का मूल्यांकन करने के बाद यह तय किया गया है कि उन्होंने अपने केंद्रीय अनुबंध की कई शर्तों का उल्लंघन किया है।

पीसीबी ने कहा कि नसीम शाह पर दो करोड़ पाकिस्तानी रुपये का जुर्माना लगाया गया है।' यह भी बताया गया कि नसीम शाह ने अपने सोशल मीडिया सलाहकार को पहले ही हटा दिया है। पीसीबी उन्हें 'ब्लैकलिस्ट' कर देगा ताकि वह पीसीबी के अधिकार क्षेत्र में आने वाले किसी भी खिलाड़ी के साथ काम नहीं कर पाएं।

जैनिक सिनर ने जीता मियामी ओपन का खिताब

फाइनल में जिरी लेहेका को हराया

मियामी, एजेंसी। इटली के स्टार टेनिस खिलाड़ी जैनिक सिनर ने मियामी ओपन का खिताब जीत लिया है। उन्होंने फाइनल मुकाबले में चेक गणराज्य के जिरी लेहेका को 6-4, 6-4 से हराया। इस जीत के साथ ही सिनर ने 'सनशाइन डबल' भी पूरा किया। जैनिक सिनर फाइनल में जिरी लेहेका को 6-4, 6-4 से हराकर 2017 में रोजर फेडरर के बाद एक ही सीजन में इंडियन वेल्स और मियामी जीतने वाले पहले पुरुष खिलाड़ी बन गए। इसके अलावा, सिनर दोनों इवेंट्स में एक भी सेट गंवाए बिना यह उपलब्धि हासिल करने वाले पहले खिलाड़ी हैं। 24 साल के सिनर ने अपने करियर में पहली बार इंडियन वेल्स जीता और 'सनशाइन डबल' जीतने वाले आठवें पुरुष खिलाड़ी बने। नोवाक जोकोविच और फेडरर ने कई मौकों पर यह उपलब्धि हासिल की है। जिम कूरियर (1991), माइकल चांग (1992), पीट सम्प्रास (1994), मार्सेलो रियोस (1998), आंद्रे अगासी (2001), रोजर फेडरर (2005-06) और नोवाक जोकोविच (2011, 2014-16) वो खिलाड़ी रहे हैं, जिन्होंने सिनर से पहले सनशाइन डबल पूरा किया है। इस खास उपलब्धि को हासिल करने के बाद सिनर ने कहा, 'यह कुछ ऐसा है जिसके बारे में मैंने कभी (जीतने) नहीं सोचा होगा, क्योंकि इसे हासिल करना मुश्किल है। मैं अपनी इस उपलब्धि से बेहद खुश हूं।' सिनर ने एटीपी मास्टर्स 1000 स्तर पर लगातार 34 सेट जीतकर अपना शानदार रिकॉर्ड भी बढ़ाया, जो पिछले साल के पेरिस मास्टर्स की शुरुआत से जारी है। एटीपी विन/लॉस इंडेक्स के मुताबिक, इस सीजन में उनका रिकॉर्ड 19-2 हो गया है।

शनिवार को महिला मियामी ओपन का खिताब आर्यना सबालेंका ने जीता। उन्होंने भी सिनर की तरह अपना 'सनशाइन डबल' पूरा किया। यह महज चौथी बार है जब एटीपी खिलाड़ी और डब्ल्यूटीए खिलाड़ी ने एक ही साल में सनशाइन डबल पूरा किया है।

तेजी, पारदर्शिता और जवाबदेही से छत्तीसगढ़ बना आवास निर्माण का मॉडलः मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ ने ग्रामीण आवास निर्माण के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करते हुए चालू वित्तीय वर्ष 2025-26 में 6 लाख से अधिक आवास पूर्ण किए हैं, जो इस वर्ष देश में सर्वाधिक है। प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण, प्रधानमंत्री जनमन योजना और मुख्यमंत्री आवास योजना के सशक्त एवं समन्वित क्रियान्वयन से यह उपलब्धि संभव हो पाई है, जिससे प्रदेश आवास निर्माण के क्षेत्र में एक प्रभावी मॉडल के रूप में उभरा है।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने इस उपलब्धि पर कहा कि छत्तीसगढ़ ने ग्रामीण आवास निर्माण में एक नया इतिहास रचते हुए सबको आवास के संकल्प को तेजी से साकार किया है। उन्होंने बताया कि सरकार के प्रथम कैबिनेट निर्णय में 18 लाख आवास स्वीकृत कर इस दिशा में ठोस शुरुआत की गई और वर्तमान में सर्वे सूची में शामिल सभी पात्र हितग्राहियों को कवर कर लिया गया है, जिससे यह सुनिश्चित हुआ है कि कोई भी पात्र परिवार आवास से वंचित न रहे। उन्होंने कहा कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण (PMAY-G) के तहत 5.87 लाख, प्रधानमंत्री जनमन आवास योजना के अंतर्गत 13 हजार तथा मुख्यमंत्री आवास योजना के तहत 10 हजार से अधिक आवास पूर्ण किए गए हैं।योजनाओं के प्रभावी समन्वय से 6 लाख से अधिक आवासों का लक्ष्य पार किया गया है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि यह उपलब्धि वर्ष 2016 में योजना प्रारंभ होने के बाद प्रदेश में किसी एक वित्तीय वर्ष में सर्वाधिक आवास पूर्ण होने का रिकॉर्ड है, जो तेज क्रियान्वयन और प्रभावी मॉनिटरिंग को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि यह पहल केवल आवास निर्माण तक सीमित नहीं है, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी नई गति दे रही है। डीलर दीदी मॉडल के तहत 9 हजार से अधिक महिला स्व-सहायता समूह सदस्य आवास निर्माण सामग्री की आपूर्ति कर लखपति दीदी बनकर आर्थिक रूप से सशक्त हुई हैं। इसके साथ ही हजारों महिला स्व-सहायता समूहों को आजीविका के अवसर प्राप्त हुए हैं। उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने कहा कि छत्तीसगढ़ का यह मॉडल अब केवल आवास निर्माण तक सीमित नहीं है, बल्कि महिला सशक्तिकरण, रोजगार सृजन, समावेशी विकास और सुशासन की दिशा में एक प्रभावी पहल के रूप में स्थापित हो रहा है।

उन्होंने बताया कि 6 हजार से अधिक राजमिस्त्रियों को प्रशिक्षित किया गया है, जिनमें 1200 से अधिक रानी मिस्त्री शामिल हैं। साथ ही आत्मसमर्पित नक्सलियों को भी इस पहल से जोड़कर उन्हें सम्मानजनक आजीविका के अवसर प्रदान किए गए हैं।उन्होंने कहा कि पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए टोल-फ्री नंबर 18002331290 संचालित है। पिछले 10 महीनों में इस पर 1500 से अधिक शिकायतें एवं सुझाव प्राप्त हुए, जिनका त्वरित निराकरण किया गया है। हर माह की 7 तारीख को सभी ग्राम पंचायतों में आवास दिवस के माध्यम से जमीनी स्तर पर समस्याओं का समाधान किया जा रहा है। इसके साथ-साथ ग्राम पंचायत स्तर पर क्यूआर कोड आधारित सूचना प्रणाली से जानकारी सहज उपलब्ध हो रही है।

छत्तीसगढ़ का यह मॉडल अब केवल आवास निर्माण तक सीमित नहीं रहकर महिला सशक्तिकरण, रोजगार सृजन, समावेशी विकास और पारदर्शी प्रशासन की दिशा में एक प्रभावी पहल के रूप में स्थापित हो रहा है, जो राज्य के सतत एवं संतुलित विकास की मजबूत आधारशिला सिद्ध होगा।

प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजनाः

जितेन्द्र को बिजली बिल से मिली राहत, माइनस 429 आया बिजली बिल

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की मंशानुरूप प्रत्येक घरों में छत पर सोलर रूफटॉप सिस्टम लगाकर आमजनों को ऊर्जा के लिए आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना का संचालन किया जा रहा है। इस योजना के माध्यम से मुंगेली जिले के अनेक घर सौर ऊर्जा से रोशन हो रहे हैं और लोग बिजली खर्च से मुक्त होकर ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। यह योजना न केवल नागरिकों को आर्थिक राहत प्रदान कर रही है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में भी एक मजबूत कदम साबित हो रही है।

नगर पालिका मुंगेली अंतर्गत शिक्षक नगर अम्बेडकर वार्ड निवासी श्री जितेन्द्र कुमार शर्मा ने अपने आवास पर रूफटॉप सोलर सिस्टम स्थापित कराया है। सोलर संयंत्र के चालू होते ही उनके घर की अधिकांश घरेलू विद्युत आवश्यकता सौर ऊर्जा से पूरी हो रही है। श्री जितेन्द्र शर्मा ने बताया कि सोलर पैनल स्थापना से पहले प्रत्येक माह बढ़ता बिजली बिल उनके घरेलू बजट पर अतिरिक्त दबाव डाल रहा था। प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के तहत सरल प्रक्रिया और सब्सिडी सुविधा ने उन्हें सोलर सिस्टम अपनाने के लिए प्रेरित किया। सोलर सिस्टम स्थापित होने के बाद न केवल उनके घर का बिजली बिल माइनस 429 आया है, बल्कि वे स्वच्छ ऊर्जा के उपयोग के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण में भी अपना योगदान दे रहे हैं। श्री शर्मा ने इस योजना को आम आदमी के लिए राहत और भविष्य के लिए निवेश बताते हुए शासन-प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने अन्य नागरिकों से भी अपील की कि वे सौर ऊर्जा को अपनाकर न केवल आर्थिक लाभ प्राप्त करें, बल्कि ऊर्जा संरक्षण और पर्यावरण सुरक्षा की दिशा में सहभागी बनें। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत रूफटॉप सोलर सिस्टम स्थापना पर केन्द्र और राज्य शासन द्वारा 30 हजार रूपए से 78 हजार रुपये तक की सब्सिडी प्रदान की जा रही है। 01 किलोवाट क्षमता पर 45 हजार रुपये, 02 किलोवाट पर 90 हजार रुपये तथा 03 किलोवाट क्षमता के सोलर सिस्टम पर 01 लाख 08 हजार रुपये की सब्सिडी दी जा रही है। यह प्रावधान सोलर ऊर्जा को आम नागरिकों के लिए सुलभ और किफायती बना रहा है। आमजनों को योजना के लिए प्रोत्साहित करने शासन के निर्देशानुसार बैंकों द्वारा कम ब्याज दर पर आसान किश्तों में ऋण की सुविधा प्रदान की जा रही है। इससे आमजनों को योजना का लाभ लेना आसान हो गया है।

कोण्डागांव जिले में किसानों को मिल रही डिजिटल किसान किताब की सुविधा

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। राज्य शासन की महत्वपूर्ण पहल के तहत कोण्डागांव जिले में किसानों को डिजिटल किसान किताब उपलब्ध कराया जा रहा है। इसी क्रम में गत दिनों जिला प्रशासन द्वारा ग्राम जामगांव में आयोजित शिविर में राजस्व विभाग द्वारा 59 किसानों को डिजिटल किसान किताब वितरित की गई। उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ शासन द्वारा डिजिटल शासन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से यह महत्वपूर्ण पहल की गई है। डिजिटल किसान किताब पारंपरिक मैन्युअल किसान किताब का स्थान लेगी, जिससे किसानों और भूमिधारकों को आधुनिक, सरल एवं त्वरित सेवाएं प्राप्त होंगी। इस व्यवस्था के माध्यम से किसान अपनी भूमि संबंधी जानकारी कभी भी और कहीं से भी ऑनलाइन प्राप्त कर सकेंगे।

खेलो इंडिया ट्राइबल गेस 2026

कुश्ती स्पर्धा के तीसरे दिन भी जारी रहा मुकाबले का रोमांच

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026 के अंतर्गत सरगुजा जिले के अम्बिकापुर में आयोजित कुश्ती स्पर्धा के तीसरे दिन भी मुकाबले का रोमांच जारी रहा। खिलाड़ियों ने एक से बढ़कर एक दांवपेंच लगाकर जीत के लिए जोर लगाया। इस दौरान विजेता प्रतिभागियों को पदक प्रदान किया गया। कड़े मुकाबले के बीच विजेता पदक प्राप्त करने वालों में आज महिला सीनियर 53 किलोग्राम में झारखंड की नेहा ओराँव ने गोल्ड, असम की प्रतिमा खाखलरी ने सिलवर, असम की मैनारी खाखलरी एवं मिज़ोरम की लालवेनहीमी ने कांस्य पदक जीता। महिला सीनियर 76 किलोग्राम भारवर्ग में कर्नाटक की मनीषा जुवाव सिद्दी ने गोल्ड, हिमाचल प्रदेश की मुस्कान ने सिल्वर, मिजोरम की लालहमंगहिसँगी ने कांस्य पदक जीता।

इसी प्रकार पुरुष वर्ग में ग्रीको रोमन सीनियर 60 किलोग्राम भारवर्ग में कर्नाटक के रोहन एम दोद्दामनी को गोल्ड, राजस्थान के दिनेश सोलंकी को सिल्वर, मेघालय के झु पा यू झु नोंगतडु ने कांस्य पदक अपने नाम किया। फ्रीस्टाइल 97 किलोग्राम भारवर्ग में जम्मू कश्मीर के हमाम हुसैन ने गोल्ड, हिमाचल प्रदेश के मोहित कुमार ने सिल्वर, जम्मू कश्मीर के मोहम्मद वसीम चौधरी ने कांस्य पदक जीता। ग्रीको रोमन सीनियर में 87 किलोग्राम भारवर्ग में हिमाचल प्रदेश के पीयूष गुज्जर को गोल्ड,जम्मू कश्मीर के रियाज़ हुसैन को सिल्वर एवं हिमाचल प्रदेश के टेकचंद ने कांस्य पदक जीता। फ्रीस्टाइल सीनियर में 65 किलोग्राम भारवर्ग में बिहार के मुलायम खरवार को गोल्ड, राजस्थान के राकेश कुमार मीना को सिल्वर एवं कर्नाटक के कैम्पानगौड़ा वी केम्प्पणवार ने कांस्य पदक जीता।

मिट्टी के घर से पक्के आशियाने तक का सफर

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। जांजगीर-चांपा जिले के नवागढ़ विकासखंड के ग्राम धाराशिव की निवासी कोमल बाई चौहान की जिंदगी में अब एक नया सवेरा आया है। कभी कच्चे और जर्जर घर में रहने को मजबूर कोमलबाई आज पक्के मकान में सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन जी रही हैं। उनकी यह यात्रा संघर्ष, उम्मीद और आत्मनिर्भरता की मिसाल बन गई है।

कोमलबाई बताती हैं कि पहले उनका जीवन बेहद कठिन था। मिट्टी और छप्पर से बने छोटे से घर में बरसात के दौरान छत टपकती थी, गर्मी में घर तपता था और ठंड में असुरक्षा बनी रहती थी। सीमित आय के चलते पक्का घर बनाना उनके लिए सिर्फ एक सपना था। इस बीच शासन की योजनाओं ने उनके जीवन में बदलाव की नई राह दिखाई। महतारी वंदन योजना के तहत हर महीने मिलने वाली एक हजार रूपए की सहायता राशि ने उन्हें आर्थिक संबल दिया। इससे वे अपने परिवार की छोटी-बड़ी जरूरतें, विशेषकर पोते-पोतियों की पढ़ाई और दैनिक खर्च, आसानी से पूरा कर पा रही हैं। अब उन्हें किसी के सामने हाथ फैलाने की जरूरत नहीं पड़ती और उनके चेहरे पर आत्मविश्वास साफ झलकता है। इसी के साथ प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत उन्हें पक्का घर मिला। जहां कभी कच्चा मकान था, वहां अब मजबूत दीवारों और पक्की छत वाला सुरक्षित घर खड़ा है। यह घर उनके लिए सिर्फ आशियाना नहीं, बल्कि सम्मान और आत्मनिर्भरता का प्रतीक है। अब कोमलबाई का परिवार हर मौसम में सुरक्षित और सुकून भरा जीवन जी रहा है। बरसात में पानी टपकने की चिंता खत्म हो गई है, गर्मी में राहत मिलती है और ठंड में सुरक्षित माहौल मिलता है। कोमलबाई शासन की योजनाओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहती हैं कि शासकीय योजनाओं ने न केवल उनका घर बनाया, बल्कि उन्हें सम्मान के साथ जीने का नया अवसर भी दिया है।

पासपोर्ट सेवा केंद्र रायपुर का होगा नए स्थान तेलीबांधा से संचालन

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय, रायपुर के अंतर्गत संचालित पासपोर्ट सेवा केंद्र (PSK), जो वर्तमान में श्याम प्लाजा, यूनिट-5, दूसरी मंजिल, पुराने बस स्टैंड के सामने, पंडरी, रायपुर (पिनः 492003) में स्थित है, को नए पते पर स्थानांतरित किया जा रहा है। नया पासपोर्ट सेवा केंद्र अब वन हाई स्ट्रीट (One High Street), दूसरी मंजिल, तेलीबांधा मेन रोड, रायपुर (पिन- 492001), छत्तीसगढ़ में संचालित होगा। नया पासपोर्ट सेवा केंद्र 06 अप्रैल 2026 से कार्य करना प्रारंभ करेगा।

क्षेत्रीय पासपोर्ट अधिकारी रायपुर ने बताया कि वे सभी आवेदक जिन्होंने 06 अप्रैल 2026 या उसके बाद की तिथि के लिए पासपोर्ट सेवा केंद्र, रायपुर में अपॉइंटमेंट निर्धारित की है, उनसे अनुरोध है कि वे अपनी आवेदन की रसीद में उल्लिखित तिथि एवं समय के अनुसार नए पते (वन हाई स्ट्रीट, तेलीबांधा मेन रोड, रायपुर) पर उपस्थित हों, ताकि किसी भी प्रकार की असुविधा से बचा जा सके।

108 संजीवनी एसप्रेस (NAS) के अंतर्गत नवीन एबुलेंसों के शुभारंभ हेतु आमंत्रण

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, छत्तीसगढ़ शासन द्वारा प्रदेश की आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की जा रही है। इसी क्रम में 108 संजीवनी एक्सप्रेस (NAS) के तहत 375 नवीन इमरजेंसी एम्बुलेंस के साथ 05 नवीन नियो-नेटल एम्बुलेंस (नवजात शिशुओं हेतु) का लोकार्पण/शुभारंभ दिनांक 31 मार्च 2026 को नया रायपुर स्थित पं. दीनदयाल उपाध्याय चौक पर प्रातः 10 बजे किया जा रहा है। इस महत्वपूर्ण अवसर पर माननीय मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय जी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे।

यह पहल प्रदेश के दूरस्थ एवं जरूरतमंद क्षेत्रों तक त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाएं सुनिश्चित करने की दिशा में एक बड़ा कदम सिद्ध होगी, जिससे आमजन, विशेषकर मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को व्यापक लाभ प्राप्त होगा । आप सभी सम्मानित मीडिया प्रतिनिधियों से अनुरोध है कि उक्त कार्यक्रम में अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कर इस जनहितकारी पहल को व्यापक जन-जन तक पहुँचाने में सहयोग प्रदान करें।

वन्यप्राणियों की सुरक्षा के लिए सती वन क्षेत्रों में आवारा कुत्ों के प्रवेश पर रोक

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। वन क्षेत्रों और वन्यजीव अभयारण्यों में आवारा कुत्तों के प्रवेश पर रोक लगाने के लिए वन विभाग ने सख्ती बढ़ा दी है। हाल ही में छत्तीसगढ़ के अंबिकापुर में आवारा कुत्तों द्वारा हिरणों को मार डालने की घटना के बाद यह कदम उठाया गया है। छत्तीसगढ़ में वन्यप्राणियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए वन विभाग ने वन क्षेत्रों में आवारा कुत्तों के प्रवेश पर सख्ती बढ़ा दी है। प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यप्राणी) श्री अरुण कुमार पाण्डेय ने इस संबंध में सभी क्षेत्रीय अधिकारियों को आवश्यक निर्देश जारी किए हैं।

उल्लेखनीय है कि यह निर्णय सरगुजा वनमंडल के अंबिकापुर स्थित संजय वाटिका में 20-21 मार्च की रात हुई घटना के बाद लिया गया है, जिसमें आवारा कुत्तों ने बाड़े में घुसकर 15 शाकाहारी वन्यप्राणियों को मार दिया था। इस घटना की जांच के लिए पहले ही उच्च स्तरीय समिति गठित की जा चुकी है। राष्ट्रीय व्याघ्र संरक्षण प्राधिकरण (NTCA) द्वारा जारी मानक संचालन प्रक्रिया (SOP) का सख्ती से पालन किया जाएगा। इसके लिए अगले दो सप्ताह में वन विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों को विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा। वन क्षेत्रों के पास स्थित गांवों में पालतू कुत्तों को विशेष रंग के पट्टे (कॉलर) पहनाए जाएंगे, ताकि उनकी पहचान हो सके। यदि कोई पालतू कुत्ता वन क्षेत्र में पाया जाता है, तो उसके मालिक के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

मानवीय तरीके से नियंत्रणः आवारा कुत्तों को पकड़ने और उनके प्रबंधन के लिए एनिमल वेलफेयर बोर्ड ऑफ इंडिया (AWBI) के दिशा- निर्देशों का पालन किया जाएगा। इस दौरान पशु कल्याण के सभी मानकों का ध्यान रखा जाएगा।

जन जागरूकता अभियानः वन क्षेत्रों के आसपास के गांवों में पोस्टर, बैनर और ग्राम सभाओं के माध्यम से जन जागरुकता अभियान चलाकर लोगों को जागरूक किया जाएगा। इसका उद्देश्य वन्यप्राणियों को हमले से और रैबीज जैसी बीमारियों से बचाना है। प्रधान मुख्य वन संरक्षक ने कहा है कि वन्यप्राणियों की सुरक्षा के लिए यह कदम बेहद जरूरी है।

टीआरटीआई के अधिकारियों-कर्मचारियों को संग्रहालयों के रख-रखाव हेतु आपदा प्रबंधन का प्रशिक्षण

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। टीआरटीआई के अधिकारियों-कर्मचारियों को संग्रहालयों के रख-रखाव हेतु आपदा प्रबंधन का प्रशिक्षणआदिमजाति अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान, (टीआरटीआई) के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को नवा रायपुर, अटल नगर, सेक्टर-24 परिसर में स्थापित ''शहीद वीर नारायण सिंह स्मारक सह जनजातीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानी संग्रहालय'' एवं ''जनजातीय संग्रहालय'' के रख-रखाव हेतु आपदा प्रबंधन का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में संस्थान की संचालक हिना अमिनेष नेताम सहित संस्थान के अधिकारी-कर्मचारी शामिल हुए। प्रशिक्षण होमगार्ड, सिविल डिफेंस, फायर एंड इमरजेंसी सर्विस एसडीआरएफ के सौजन्य से आयोजित किया गया।

इस प्रशिक्षण में एसडीआरएफ की दक्ष टीम द्वारा ''आपदा प्रबंधन एवं आपातकालीन प्रतिक्रिया'' विषय पर सारगर्भित तकनीकी और अनुभविक जानकारी श्री पुष्पराज सिंह जी के नेतृत्व में श्री दीपक कौशिक एवं श्री राकेश भोयर, सहायक उपनिरीक्षक के द्वारा प्रदान किया गया। प्रशिक्षण पश्चात् आपदा प्रबंधन के व्यवहारिक एवं प्रायोगिक पक्ष का प्रदर्शन संस्थान के खुले परिसर में किया गया जिसमें विभिन्न प्रकार की आग आदि जैसी आपदा से तत्कालिक बचाव प्रतिक्रिया से समस्त अमलों और संग्रहालय भ्रमण हेतु आये आगंतुको एवं विद्यार्थियों द्वारा भी हैण्ड्स ऑन प्रेक्टिस की गई। संस्थान की संचालक हिना अनिमेष नेताम द्वारा बताया गया कि, यह प्रशिक्षण सभी के लिये लाभदायक रहा है जो कार्यस्थल और पारिवारिक सुरक्षा के दृष्टिकोण से भी महत्वपूर्ण रहा है। साथ ही आने वाले समय में ऐसे और भी प्रशिक्षण विशेषकर आपातकालीन स्वास्थ विषयों पर भी किये जाने है।

शिक्षा की बदौलत पहाड़ी कोरवा युवती राजकुमारी बनीं बदलाव की मिसाल

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। वनांचल क्षेत्र की कठिन परिस्थितियों से निकलकर शिक्षा के बल पर नई पहचान बनाने वाली कोरबा जिले के ग्राम कदमझेरिया की पहाड़ी कोरवा युवती राजकुमारी आज अपने समुदाय के लिए प्रेरणा बन गई हैं। विकासखंड कोरबा के ग्राम पंचायत गढ़उपरोड़ा की रहने वाली राजकुमारी विशेष पिछड़ी जनजाति पहाड़ी कोरवा समुदाय की हैं, जहां आज भी शिक्षा की पहुंच सीमित है। राजकुमारी का बचपन अभावों में बीता। परिवार के साथ मजदूरी करना और जंगलों से वनोपज इकट्ठा कर जीवनयापन, उनकी दिनचर्या थी। आर्थिक स्थिति इतनी कमजोर थी कि एक वक्त का भोजन जुटाना भी चुनौती था। घास-फूस के कच्चे घर में रहने वाली राजकुमारी के सामने पढ़ाई जारी रखना आसान नहीं था।

परिवार ने 5वीं के बाद आगे पढ़ाई के लिए दूसरे गांव भेजने से मना कर दिया, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी। शिक्षा को ही जीवन बदलने का माध्यम मानते हुए उन्होंने दृढ़ निश्चय किया और सतरेंगा के आदिवासी कन्या आश्रम में प्रवेश लेकर पढ़ाई जारी रखी। 8वीं तक की पढ़ाई पूरी करने के बाद उन्होंने घर पर रहकर स्वाध्यायी विद्यार्थी के रूप में 10वीं और 12वीं की परीक्षाएं उत्तीर्ण कीं।

इस दौरान सामाजिक ताने भी उनके सामने बड़ी चुनौती थे-लड़कियों को ज्यादा पढ़ने की जरूरत नहीं और अधिक पढ़ाई से नुकसान होता है जैसी बातें उनके हौसले को डिगाने की कोशिश करती रहीं। लेकिन राजकुमारी का लक्ष्य स्पष्ट था-मुख्यधारा से जुड़कर अपने समुदाय के लिए बदलाव लाना। उनकी लगन और योग्यता को देखते हुए आदिवासी विकास विभाग द्वारा उन्हें कंप्यूटर कोर्स कराया गया। इसके बाद जिला प्रशासन कोरबा के विशेष भर्ती अभियान के तहत 1 जनवरी 2022 को उन्हें तहसील कार्यालय पोंड़ी-उपरोड़ा में सहायक ग्रेड-03 के पद पर नियुक्ति मिली।

आज राजकुमारी आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर हैं और सम्मानजनक जीवन जी रही हैं। उनके जीवन स्तर में व्यापक बदलाव आया है-अब उनके पास वाहन, घरेलू सुविधाएं और बेहतर आवास उपलब्ध हैं। वे शासकीय कॉलोनी पोंड़ी-उपरोड़ा में परिवार के साथ सुखद जीवन व्यतीत कर रही हैं, वहीं ग्राम कोनकोना में उनका पक्का मकान भी निर्माणाधीन है। राजकुमारी की सफलता का असर अब उनके समुदाय पर भी दिखाई देने लगा है। उन्हें देखकर अन्य युवतियां और युवा शिक्षा के प्रति जागरूक हो रहे हैं और शासकीय संस्थानों में प्रवेश ले रहे हैं।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक / प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा विप्र एक्सप्रे प्रेस सीपत रोड सरकंडा बिलासपुर छत्तीसगढ़ से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय वार्ड 14 हल्दीबाड़ी एमसीबी छत्तीसगढ़ से प्रकाशित,संपादक संदीप द्विवेदी
आर .एन .आई नं . सी टी एच आई एन /25/ए 1478 फोन नं .7974467831,9589645803, mediaauditor1@gmail .com पीआइबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार , सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा